रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

गुरुवार
14 मई-2026
वर्ष 10, अंक 249
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

मोदी कैबिनेट का डबल धमाका :

किसानों को राहत और देश को सेमी हाई-स्पीड रेल

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसलों पर मुहर लगी। सरकार ने खरीफ की 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी स्स्क्क्में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके साथ ही देश की पहली सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना को भी हरी झंडी मिल गई है। वहीं कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी बड़ी योजना को मंजूरी दी गई है।

किसानों के लिए स्स्क्क्में बढ़ोतरी– सरकार ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए खरीफ फसलों के MSP में इजाफा किया है। इसका मकसद किसानों को उनकी फसल का बेहतर दाम दिलाना है ताकि खेती को ज्यादा लाभकारी बनाया जा सके।इस बार सबसे ज्यादा बढ़ोतरी सूरजमुखी के बीज के MSP में की गई है। इसमें ?622 प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है। इसके बाद कपास के MSP में 557 प्रति क्विंटल, नाइजरसीड में ?515 प्रति क्विंटल और तिल में ?500 प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।सरकार का कहना है कि MSP बढ़ाने से किसानों की आमदनी बढ़ेगी और उन्हें खेती के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

कोयला गैसीकरण योजना को मंजूरी– केंद्रीय मंत्री Ashwini Vaishnaw ने बताया कि कैबिनेट ने 37,500 करोड़ रुपये की कोयला गैसीकरण योजना को भी मंजूरी दी है।उन्होंने कहा कि भारत के पास अगले 200 वर्षों की जरूरत पूरी करने लायक कोयला भंडार मौजूद है। ऐसे में सरकार अब कोयले से गैस बनाने की दिशा में तेजी से काम करेगी।सरकार का मानना है कि कोयले से बनी गैस का इस्तेमाल उर्वरक, बिजली और कई तरह के रसायन बनाने में किया जा सकता है। इससे देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी और आयात पर निर्भरता कम होगी।वैष्णव ने कहा कि बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में ऊर्जा सुरक्षा बेहद जरूरी है और यह योजना उसी दिशा में बड़ा कदम है।

देश की पहली सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना– कैबिनेट ने रेल मंत्रालय की अहमदाबाद (सरखेज) से धोलेरा तक अर्ध-उच्च गति दोहरी रेल लाइन परियोजना को भी मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की लागत करीब 20,667 करोड़ रुपये बताई गई है।सरकार के मुताबिक यह भारत की पहली सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना होगी और आगे देशभर में इस तरह की रेल परियोजनाओं के लिए मॉडल का काम करेगी।यह परियोजना पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित की जाएगी। इसके जरिए अहमदाबाद, धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन, आगामी धोलेरा एयरपोर्ट और Lothal National Maritime Heritage Comple& के बीच बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।सरकार का कहना है कि इस रेल लाइन से अहमदाबाद और धोलेरा के बीच यात्रा समय कम होगा। रोजाना आने-जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी और लोग एक ही दिन में जाकर वापस लौट सकेंगे।

नागपुर एयरपोर्ट का होगा आधुनिकीकरण

कैबिनेट ने Dr. Babasaheb Ambedkar International Airport के उन्नयन और आधुनिकीकरण को भी मंजूरी दी है ।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह काम सार्वजनिक निजी भागीदारी यानी PPP मॉडल के तहत किया जाएगा । इसके लिए निजी भागीदार को लंबी अवधि का लाइसेंस दिया जाएगा ।सरकार का कहना है कि एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और नागपुर को देश के महत्वपूर्ण एविएशन हब के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक का निधन

- पोस्टमॉर्टम के बाद शव घर लाया गया, अपर्णा भी पहुंचीं

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय के मुताबिक, जब प्रतीक को लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह डाउन थी। हार्ट भी रुक चुका था। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में प्रतीक यादव के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत की वजह स्पष्ट न होने के कारण विसरा सैंपल सुरक्षित रख लिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद प्रतीक का शव घर ले आया गया है। यहां अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं। इस बीच, प्रतीक की पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव भी असम से लखनऊ लौट आई हैं। वो एयरपोर्ट से सीधे अपने घर पहुंचीं। अपर्णा मंगलवार को मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के लिए असम गई थीं। इससे पहले, अखिलेश यादव भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। छोटे भाई का शव देखा। प्रतीक के ड्राइवर को बुलाकर अंदर बातचीत की। बाहर आकर कहा– यह दुखद है कि वे आज हमारे बीच नहीं हैं। परिवार के लोग जो कहेंगे, हम मानेंगे। इससे पहले, 30 अप्रैल को प्रतीक को गंभीर हालत में लखनऊ के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 3 दिन बाद उन्हें थोड़ा आराम मिला। इसके बाद वे बिना छुट्टी के घर चले गए थे। डॉक्टर्स के मुताबिक, वो फेफड़े की गंभीर बीमारी पल्मोनरी एम्बोलिज्म की चपेट में थे।

तमिलनाडु में विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में हो गई पास

- एआईएडीएमके के 47 में से 25 बागी विधायकों ने समर्थन किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा में विजय सरकार ने बुधवार को फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। सदन में वोटिंग के वक्त 172 विधायक मौजूद रहे। टीवीके के समर्थन में 144 वोट पड़े। 234 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत के लिए 118 विधायकों का समर्थन जरूरी होता है। विजय त्रिची ईस्ट और पेरम्बूर से सीटें जीते थे। सीएम बनने के बाद पेरम्बूर से इस्तीफा दे दिया। तिरुपत्तूर के विधायक श्रीनिवासा सेतुपति एक वोट से जीते थे। मामला मद्रास हाईकोर्ट में होने की वजह से उन्हें वोट डालने के लिए मंजूरी नहीं मिली। इस तरह सदन में विधायकों की संख्या 232 रह गई। टीवीके को 47 विधायकों वाली एआईएडीएमके के 25 बागी विधायक के अलावा, कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई (एम), सीपीआई और आईएमयूएल से बागी विधायक ने समर्थन किया। विश्वास प्रस्ताव के विरोध में 22 वोट पड़े, जो एआईएडीएमके के बचे हुए विधायकों के रहे। 59 विधायकों वाली डीएमके ने सदन से वॉकआउट कर दिया। इस दौरान 5 विधायक न्यूट्रल रहे। स्पीकर ने वोट नहीं डाला। क्रॉस वोटिंग के साथ ही एआईएडीएमके में फूट भी पड़ गई है। पार्टी दो धड़ों पलानीस्वीमी और सीवी षणमुगम में बंट गई है। सदन में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने विजय की एआईएडीएमके के बागी विधायकों से मुलाकात पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात बदलाव है या सौदेबाजी। क्या यही आपकी साफ–सुथरी सरकार है। टीवीके सरकार को गवर्नेंस करनी चाहिए।

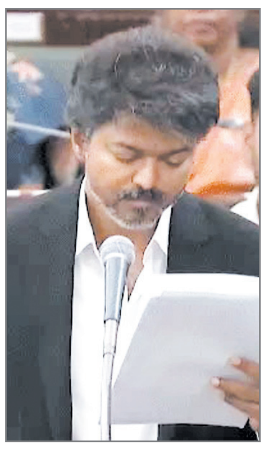

ये है एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाली Swapna Barman.

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

कलकत्ता। कभी संघर्ष, मेहनत और सफलता की मिसाल मानी जाती थीं। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित Arjuna Award से भी सम्मानित किया गया था। रेलवे की नौकरी, सरकारी सुविधाएं और खेल जगत में सम्मान–सब कुछ उनके पास था।

लेकिन ममता दीदी ने इन्हें भरोसा दिलाया कि खेलों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक सफलता में बदल जाएगी। उन्हें दिन दोगुनी-रात चौगुनी सफलता मिलेगी। हो सकता है खेल मंत्री भी बन जाये...।

बस क्या था, उन्होंने नौकरी छोड़ी, राजनीति में कदम रखा और चुनाव लड़ बैठी। लेकिन नतीजा यह हुआ कि जनता ने स्वीकार नहीं किया और वे चुनाव हार गईं। इधर उनका रेलवे की नॉकरी भी हाथ से निकल गया।

स्वप्ना बर्मन का मामला उन लोगों के लिए भी सबक है जो अचानक मिली लोकप्रियता को स्थायी राजनीतिक ताकत समझ बैठते हैं। एक स्थापित एथलीट के रूप में उनका करियर प्रेरणा था, लेकिन जल्दबाजी में लिया गया राजनीतिक फैसला आज उनके करियर के सबसे बड़े जोखिम के रूप में देखा जा रहा है।

एन. रंगासामी ने 5वीं बार संभाली पुडुचेरी की कमान

एनडीए सरकार ने यहां फिर दोहराया सत्ता का इतिहास

पुडुचेरी (एजेंसी)। पुडुचेरी के दिग्गद नेता एन रंगासामी ने बुधवार को लगातार पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के संस्थापक रंगासामी ने एक बार फिर एनडीए सरकार का नेतृत्व संभाल लिया है। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाश नाथन ने मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। रंगासामी ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। उनके साथ मल्लादी कृष्णा राव और भाजपा नेताअरुमुगम नमस्सिवयम ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। खास बात यह रही कि मल्लाडी कृष्णा राव ने तेलुगु भाषा में शपथ ली।

RBI गवर्नर की बड़ी चेतावनी-

भारत में महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल

दैनिक अलग पहचान, मुख्य संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता, नई दिल्ली /

नई दिल्ली। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने साफ संकेत दिए हैं कि अगर पश्चिम एशिया में जारी तनाव जल्दी खत्म नहीं हुआ, तो भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ज्यूरिख में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकार बढ़े हुए कच्चे तेल की कीमतों का बोझ खुद उठा रही है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती।दरअसल, पिछले करीब ढाई महीने से पश्चिम एशिया में लगातार भू-राजनीतिक तनाव बना हुआ है। इसका सीधा असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा है। तेल महंगा होने से भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों की चिंता बढ़ गई है।

अभी तक सरकार ने कैसे संभाली स्थिति?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी नहीं की गई है। सरकार ने टैक्स और ड्यूटी में कुछ राहत देकर कंपनियों पर दबाव कम करने की कोशिश की है। कुछ नियंत्रित ईंधन कीमतों में मामूली बदलाव जरूर किए गए हैं, लेकिन आम लोगों पर सीधा असर सीमित रखा गया।आरबीआई गवर्नर ने कहा कि सरकार ने अब तक उपभोक्ताओं को राहत देने का काम किया है, लेकिन अगर संकट लंबा चलता है तो तेल की बढ़ी हुई कीमतों का कुछ हिस्सा जनता तक पहुंचना तय माना जा रहा है।

भारत के लिए पश्चिम एशिया इतना अहम क्यों?

पश्चिम एशिया केवल तेल का स्रोत नहीं है, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा सहारा भी है। भारत के कुल आयात और निर्यात का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

कोलकाता में 'बांग्ला पक्खो' प्रमुख गर्ग चटर्जी गिरफ्तार, कोर्ट ने भेजा 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

दैनिक अलग पहचान, साजिश

झारखंड ब्यूरो चीफ, रांची। कोलकाता: पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से एक बड़ी खबर सामने आई है। 'बांग्ला पक्खो' संगठन के प्रमुख Garga Chatterjee को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को बैंकशाल कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के बाद अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें 4 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

कोर्ट में पेशी के दौरान गर्ग चटर्जी के तेवर काफी आक्रामक नजर आए। पुलिस सुरक्षा के बीच मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि 'एक बंगाली के लिए सच बोलना कभी भी अपराध नहीं हो सकता।'

मामले को लेकर कोलकाता पुलिस कमिश्नर Ajay Nand ने बताया कि गर्ग चटर्जी के खिलाफ सोशल मीडिया पर चुनाव प्रक्रिया और ईवीएम में छेड़छाड़ को लेकर भ्रामक पोस्ट साझा करने के आरोप हैं। पुलिस के अनुसार, इन पोस्ट्स से राजनीतिक दलों के बीच तनाव और जनता में भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी (DEO) की शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा दो बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद पेश नहीं होने पर उनकी गिरफ्तारी की गई। इसके अलावा पुलिस ने गर्ग चटर्जी के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए एक और मामला दर्ज किया है, जिसमें उन पर विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने वाली टिप्पणियां करने का आरोप लगाया गया है।

फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस रिमांड के दौरान उनसे विस्तृत पूछताछ की जाएगी।

सनातन को मिटाना है तो खुद अपनी मां को रोककर दिखाएं

- उदयनिधि स्टालिन को पूर्व आईपीएस और बीजेपी नेता का चैलेंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म मिटाने वाले बयान पर उन्हें पूर्व आईपीएस कुप्पुसामी अन्नामलाई ने करारा जवाब दिया है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष से कहा है कि स्टालिन को अगर सनातन धर्म मिटाने का इतना शौक है, तो पहले अपनी मां को ही मंदिर जाने से रोककर दिखाएं। डीएमके नेता और तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म भेदभाव करता है, इसलिए इसका समूल नाश किया जाना चाहिए। इसके बाद विपक्षी बीजेपी उनपर जोरदार हमले कर रही है। बीजेपी के पूर्व तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई हालिया विधानसभा चुनावों के बाद फिर से खूब चर्चा में हैं। बीजेपी समर्थकों का मानना है कि अगर पार्टी उनके नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ती तो शायद पार्टी को अच्छी सफलता मिल सकती थी।

मणिपुर में 3 चर्च नेताओं की गोली मारकर हत्या

- कांगपोकपी जिले में वारदात के बाद दहशत-तनाव
- गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 कर दिया बंद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को थाडौ बैपटिस्ट एसोसिएशन के तीन चर्च नेताओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 5 अन्य लोग घायल हुए हैं। हमला हथियारबंद अज्ञात लोगों ने घात लगाकर किया। हमले के बाद कांगपोकपी और आसपास के कुकी-जो बहुल इलाकों में तनाव फैल गया। वारदात से गुस्साए लोगों ने पत्थर लकड़ियां लगाकर नेशनल हाईवे-2 बंद कर दिया गया। एनएच-2 मणिपुर को नागालैंड और देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला अहम मार्ग है। मृतकों में मणिपुर बैपटिस्ट कन्वेंशन के पूर्व महासचिव रेव. वी. सितल्होउ शामिल हैं। अन्य दो मृतकों की पहचान रेव. वी. कैगौलुन और पास्टर पाओगौलेन के रूप में हुई है। घायल हुए लोगों का इलाज जारी है। मणिपुर में चर्च नेता आध्यात्मिक मार्गदर्शन के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली के लिए बातचीत, राहत कार्यों और आदिवासी ईसाई एकता की रक्षा करने में सक्रिय हैं। घायलों में रेव. एसएम हाओपु, रेव. हेकाई सिमटे, रेव. पाओथांग, लेलें (ड्राइवर) और गौमांग (ड्राइवर) शामिल हैं। ये सभी दो वाहनों में सवार होकर चुराचांदपुर जिले के लमका में आयोजित सम्मेलन से लौट रहे थे। घात लगाकर अचानक फायरिंग की गई।

झारखंड के राज्यपाल ने बड़ा फैसला लिया कारकेड में अब सिर्फ चार गाड़ियां ही रहेंगी

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने, गैर जरूरी विदेश यात्राओं से बचने और संसाधनों के सीमित इस्तेमाल की अपील के बाद अब राज्यों में भी इसका असर दिखने लगा है। झारखंड समेत कई राज्यों में सरकारें अलग-अलग स्तर पर फैसले ले रही हैं। कहीं सरकारी खर्च कम करने की तैयारी है तो कहीं वाहनों और विदेश दौरों पर रोक लगाने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

असम सरकार ने भी लिए कई अहम निर्णय– उधर Himanta Biswa Sarma की अगुवाई वाली असम सरकार ने भी कई बड़े फैसलों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले छह महीने तक असम सरकार कोई नई गाड़ी नहीं खरीदेगी। इसके अलावा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मेडिकल कारणों को छोड़कर विदेश यात्रा पर नहीं जाएंगे।सरकार ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल के कारकेड में भी गाड़ियों की संख्या कम करने का फैसला लिया है। साथ ही अगले छह महीने तक विदेशी ब्रांड के सामान की खरीद पर भी रोक लगाने की बात कही गई है।

ऑनलाइन होगी सरकारी कार्यशालाएं – असम सरकार ने सरकारी बैठकों और कार्यशालाओं को लेकर भी नया फैसला लिया है। अगले छह महीने तक ज्यादातर सरकारी कार्यशालाएं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित की जाएंगी। फिजिकल कार्यक्रमों से बचने की कोशिश होगी ताकि खर्च और संसाधनों की बचत हो सके।इसके अलावा सरकारी कामकाज में इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ाने की योजना भी बनाई गई है। सरकार जरूरत पड़ने पर किराये पर इलेक्ट्रिक वाहन लेने की तैयारी कर रही है।

पीएम मोदी ने की थी कई अपीलें – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में देशवासियों से ईंधन बचाने, घर से काम को बढ़ावा देने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल बढ़ाने और किसानों से रासायनिक खाद का उपयोग कम करने की अपील की थी।

- **झारखंड के राज्यपाल ने लिया बड़ा फैसला**–झारखंड के राज्यपाल Santosh Kumar Gangwar ने अपने कारकेड में गाड़ियों की संख्या घटाने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ईंधन और संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए अब उनके कारकेड में सिर्फ चार गाड़ियां ही रहेंगी ।राज्यपाल ने कहा कि यह फैसला ऊर्जा बचत और सरकारी संसाधनों के सही उपयोग की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने लोगों से भी जरूरत के मुताबिक संसाधनों का इस्तेमाल करने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार, 14 I52 ग्राम ड्रग्स और नगद बरामद

चतरा, एजेंसी। जिले में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गिद्धौर थाना क्षेत्र के फुटबॉल टांड़ से दो युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 14 I52 ग्राम ब्राउन शुगर, एक स्कूटी, 55 हजार 500 रुपए नगद और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। गिरफ्तार तस्करों में राहुल कुमार सोनी और आनंद कुमार ठाकुर शामिल हैं। गिरफ्तार दोनों तस्कर रामगढ़ जिले के सदर थाना अंतर्गत न्यू कॉलोनी बगीचा के रहने वाले हैं। गिरफ्तारी को लेकर सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भउसाहेब ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चतरा पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के ग्राम गिद्धौर फुटबॉल टांड़ में कुछ व्यक्ति अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना पर एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने फुटबॉल टांड़ के पास से दो युवकों को अवैध ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ ने बताया कि इस संबंध में गिद्धौर थाना में दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जिसके बाद दोनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इस छापेमारी दल में सिमरिया एसडीपीओ आईपीएस नागरगोजे शुभम भउसाहेब, चतरा सदर अंचल विपिन कुमार, गिद्धौर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री और थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने बताया कि कांड में अग्रिम अनुसंधान और छापेमारी की जा रही है।

लातेहार में वज्रपात की चपेट में आने से एक की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

लातेहार, एजेंसी। बे मौसम बरसात के साथ हुई वज्रपात की चपेट में आने से जिले के हेरहंज थाना अंतर्गत घूरे गांव में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतक की पहचान दयानंद साव के रूप में हुई हैं। जबकि घायलों की पहचान बबलू यादव और संदीप साहू के रूप में हुई है। सभी हेरहंज के रहने वाले हैं। दरअसल हेरहंज थाना क्षेत्र निवासी दयानंद साव, संदीप साहू, बबलू यादव और एक अन्य रास्ते से जा रहे थे। इसी दौरान शनिवार की शाम को अचानक मौसम खराब हुआ और हल्की बारिश होने लगी। तीनों लोग बारिश से बचने के लिए एक बरगद के पेड़ के नीचे जाकर खड़े हो गए। इसी दौरान अचानक बरगद के पेड़ के पास ही वज्रपात हो गया। इस घटना में पेड़ के नीचे खड़े सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया के निर्देश पर पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पहुंची और सभी घायलों को बालूमाथ अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने दयानंद कुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया। थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। इधर इस संबंध में डॉक्टर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि अस्पताल में इलाज के लिए वज्रपात से घायल होकर 4 लोग आए थे। इनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग घायल थे, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया ने आम लोगों से अपील किया है कि बारिश होने और बिजली कड़कने पर कभी भी पेड़ के नीचे जाकर खड़े ना हो। बारिश होने और बिजली कड़कने के दौरान पेड़ के नीचे खड़ा होना काफी खतरनाक होता है। यहां वज्रपात की संभावना सबसे अधिक होती है।

एसआईआर को लेकर झारखंड तंजीम ने खोला सहायता केंद्र

रांची, एजेंसी। मतदाता गहन पुनरीक्षण को लेकर मुस्लिम संगठन झारखंड तंजीम ने एक बड़ा अभियान शुरू किया है। सोमवार को मेन रोड स्थित केंद्रीय कार्यालय में आम लोगों की मदद के लिए ना केवल एसआईआर सहायता केंद्र खोला गया है, बल्कि टॉल फ्री नंबर भी जारी किया गया है। जिसके जरिए लोग घर बैठे जानकारी हासिल कर सकते हैं। एसआईआर सहायता केंद्र का उद्घाटन करते हुए झारखंड तंजीम के अध्यक्ष शमशेर आलम ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों को एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की जानकारी और सहायता केंद्र के माध्यम से प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि टॉल फ्री नंबर 3335091885 पर कोई भी व्यक्ति घर बैठे मुफ्त सलाह ले सकता है। झारखंड तंजीम मतदान गहन पुनरीक्षण को लेकर राज्यभर में जागरूकता कार्यक्रम चलाएगा। इसके तहत अगले सप्ताह से केंद्रीय कार्यालय से एक टीम राज्य के विभिन्न जिलों के लिए रवाना होगी। झारखंड तंजीम के केंद्रीय अध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि बिहार बंगाल सहित देश के कुछ राज्यों में हुए मतदाता गहन पुनरीक्षण के दौरान जिस तरह से दलित अल्पसंख्यक और अन्य वर्गों के लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाया गया, वह बेहद ही चिंता का विषय है। जिसमें बड़ी संख्या में मुसलमान थे। ऐसे में जानकारी के अभाव में किसी का नाम मतदाता सूची से नहीं हटे, इसके लिए झारखंड तंजीम अभियान चलाने जा रही है। शमशेर आलम ने कहा कि इसके तहत राज्य के सभी जिलों में दौरा किया जाएगा और वहां जिला स्तरीय टीम के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

तेज आंधी-बारिश से रांची में कई जगह नुकसान,

न्यूक्लियस मॉल के पास गिरा मोनोपोल बोर्ड

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में मंगलवार देर शाम आई तेज आंधी और बारिश ने कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित कर दिया। शहर के विभिन्न हिस्सों में पेड़ गिरने, विज्ञापन बोर्ड क्षतिग्रस्त होने और सड़क बाधित होने की घटनाएं सामने आईं। कांके रोड स्थित न्यूक्लियस मॉल-2 के समीप एक बड़ा मोनोपोल विज्ञापन बोर्ड गिर गया। जिसके बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही रांची नगर निगम प्रशासन सक्रिय हो गया। नगर आयुक्त सुशांत गौरव के निर्देश पर निगम की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर गिरे हुए मोनोपोल ढांचे को हटाने का कार्य शुरू कराया गया। निगम की ओर से कहा गया कि आम लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए तेजी से कार्रवाई की गई।

इधर, शहर के कई अन्य इलाकों में भी तेज हवा और बारिश के कारण पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं। कुछ स्थानों पर सड़कों पर बड़े पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित रहा। वहीं कुछ इलाकों से ऐसी भी सूचना मिली है कि खड़ी गाड़ियों पर पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। स्थानीय लोगों को देर शाम तक आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

रांची नगर निगम ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विज्ञापन एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। निगम प्रशासन ने संबंधित शाखा के अधिकारियों को एजेंसी से स्पष्टीकरण लेने और मोनोपोल संरचना की तकनीकी जांच कर दो दिनों के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया है। नगर निगम ने साफ किया है कि सार्वजनिक सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि जांच में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित एजेंसी और जिम्मेदार पक्षों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अप नगरआयुक्त आयोग गौतम कुमार ने कहा कि तेज आंधी और बारिश के दौरान हुई घटनाओं को गंभीरता से लिया गया है। निगम की टीम लगातार फील्ड में मॉनिटरिंग कर रही है। जहां-जहां पेड़ या संरचनाएं गिरी हैं, वहां तत्काल कार्रवाई कर रास्ता साफ कराया जा रहा है। नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़ के नेमरा में वज्रपात का कहर, 26 मवेशियों की मौत

रामगढ़, एजेंसी। जिला के गोला प्रखंड अंतर्गत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा में मंगलवार को प्रकृति ने कहर बरपाया। इस कहर में 13 किसानों की जीवनभर की पूंजी पल भर में समाप्त हो गई। तेज आंधी, मूसलधार बारिश और भीषण वज्रपात की चपेट में आने से एक महुआ पेड़ के नीचे खड़े 26 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से प्रभावित किसानों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मंगलवार को अचानक मौसम ने विकराल रूप धारण कर लिया। तेज गर्जना और बारिश से बचने के लिए मवेशी स्वतः एक महुआ पेड़ के नीचे एकत्र हो गए। इसी दौरान आसमान से गिरी तेज बिजली ने देखते ही देखते सभी मवेशियों को अपनी चपेट में ले लिया। वज्रपात इतना शक्तिशाली था कि कुछ ही सेकंड में 26 बेजुबान जानवर तड़पते हुए जमीन पर गिर पड़े।

जिला प्रशासन के अनुसार इस हादसे में कुल 26 पशुओं की मृत्यु हुई, जिनमें 7 गाय और 19 बैल शामिल हैं। यह सभी पशु 13 किसानों के थे। खेती-किसानी पर निर्भर इन परिवारों के लिए यह घटना किसी बड़ी आर्थिक त्रासदी से कम नहीं है, क्योंकि धान रोपनी और खेतों की जुताई का समय शुरू होने वाला है।

इस घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ डीसी ऋतुराज के निर्देश पर जिला एवं प्रखंड स्तर की संयुक्त टीम ने नेमरा गांव पहुंचकर निरीक्षण किया। टीम में गोला के अंचल अधिकारी सीताराम महतो, अंचल निरीक्षक, पशुपालन विभाग के चिकित्सक, बरलंगा थाना प्रभारी अशोक कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने प्रभावित किसानों से मुलाकात कर घटना से हुई क्षति का आकलन किया। पशुपालन विभाग की टीम ने मृत पशुओं का निरीक्षण कर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की।

अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को सांत्वना भी दी। सभी प्रभावित किसानों को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा दिलाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर राहत राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। जिला परिषद सदस्य रेखा सोरेन ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह किसानों के लिए अत्यंत पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की दिशा में हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया।

दुमका में खेल अभ्यास के दौरान छात्रा की मौत, कार्डियक अरेस्ट की आशंका

दुमका, एजेंसी। जिले में स्कूली छात्राओं के लिए आयोजित समर कैंप में खेल अभ्यास के दौरान एक छात्रा की मौत हो गई। इस घटना के बाद संबंधित विद्यालय सहित तमाम खेल प्रेमियों में शोक की लहर है। घटना के कारण बच्चों को स्कूल से छुट्टी दे दी गई है। जिला खेल अधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने कहा कि आशंका है कि प्रैक्टिस के दौरान कार्डियक अरेस्ट की वजह से ऐसा हुआ। विभाग द्वारा सरकार से मुआवजा दिलाने की कोशिश की जाएगी।

दरअसल, दुमका जिला खेलकूद विभाग के द्वारा जिला स्कूल परिसर में 60 स्कूली छात्राओं के लिए एक समर कैंप आयोजित किया गया है, जिसमें छात्राओं को कई तरह के खेल, योगा, मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी शिविर में सिदो कान्हू विद्यालय के आठवीं की छात्रा श्वेता टुडू भी प्रशिक्षण ले रही थी।

मंगलवार शाम को श्वेता टुडू दौड़ अभ्यास के लिए ट्रेनिंग कैंप हॉल के अंदर चक्कर लगा रही थीं। इसी दौरान वह अचानक गिर गई। ट्रेनिंग कैंप की मॉनिटरिंग कर रहे खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने तुरंत श्वेता को अपनी गाड़ी से फूल झानो मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। श्वेता टुडू दुमका के जामा थाना क्षेत्र के कटहरा गांव की रहने वाली थी और उनके पिता जामताड़ा जिले में पुलिस विभाग में कार्यरत हैं।

दुमका जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने बताया कि दुमका के स्कूली छात्राओं के लिए तरह-तरह के खेलों, योगा, मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग देने के लिए एक कैंप का आयोजन किया गया है। इसी में यह घटना घटी। उन्होंने कहा कि श्वेता टुडू एक अच्छी फुटबॉलर थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में विभाग के वरीय अधिकारियों से बातकर खिलाड़ी कल्याण कोष से मुआवजा दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे एहतियात बरतते हुए कैंप मैं भाग लेने वाली अन्य बच्चियों के लिए मेडिकल जांच की व्यवस्था की जाएगी।

पीवीयूएनएल पतरातू में यूनिट-2 का सफल ट्रायल

झारखंड को अब मिलेगी 1360 मेगावाट बिजली

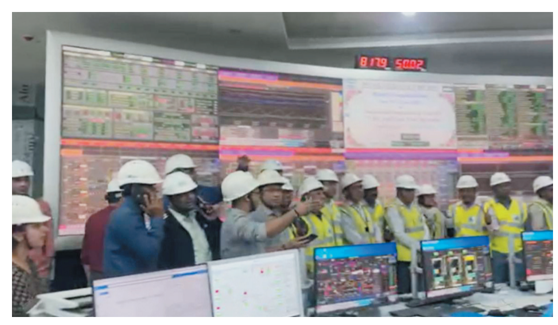

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ जिले के पतरातू स्थित पीवीयूएनएल प्लांट में 11 मई 2026 को शाम 7:15 बजे 800 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट-2 का सफलतापूर्वक ट्रायल ऑपरेशन किया गया। इस सफलता के साथ यूनिट-2 के नियमित संचालन और कमर्शियल ऑपरेशन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस यूनिट के शुरू होने से झारखंड सहित अन्य राज्यों में गर्मी के मौसम के दौरान बढ़ी हुई बिजली मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इससे बिजली संकट को कम करने में अहम भूमिका निभाई जाएगी।

रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड स्थित पीभीयूएनएल का दूसरा यूनिट का सफलता पूर्वक ट्रायल हुआ इस यूनिट से 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इससे पहले यूनिट 1 से 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। अब रामगढ़ जिले के पतरातू पीवीयूएनएल से 1600 मेगावाट बिजली उत्पादन होगा इसमें झारखंड राज्य को 1360 मेगावाट बिजली मिलेगा। गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ी हुई है अब पतरातू से बिजली झारखंड को मिलने के बाद पूरे राज्य को फायदा होगा। पतरातू प्लांट से उत्पादित कुल बिजली का 85 प्रतिशत हिस्सा झारखंड राज्य को उपलब्ध होगी, जिससे औद्योगिकीकरण और विकास को गति मिलेगी।

इस अवसर पर पीवीयूएनएल के सीईओ ए के सहगल, सीजीएम प्रोजेक्ट अनुपम मुखर्जी, जीएम ऑपरेशन एंड मैनेजमेंट मनीष खेतरपाल, जीएम जोगेश चंद्र पत्रा, जीएम विष्णु दत्ता दास और जीएम ओपी सोलंकी सहित पीवीयूएनएल, एनटीपीसी और बीएचईएल के अधिकारियों और कर्मचारियों खुशी जाहिर किया है। सीईओ ए के सहगल ने टीम को दी बधाई। सीईओ ए के सहगल ने सभी कर्मचारियों, अभियंताओं और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और सामूहिक कोशिश का परिणाम है।

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में जच्चा-बच्चा मौत, मामले पर डीसी ने मांगी

पलामू, एजेंसी। जिला के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में जच्चा बच्चा के मौत मामले में हाई लेवल जांच कमेटी का गठन किया गया है। जांच कमेटी से पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बुधवार की सुबह 10:00 बजे तक रिपोर्ट मांगी है।

दरअसल, सोमवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में पंचम कुमार नामक व्यक्ति की पत्नी को प्रसव पीड़ा के बाद भर्ती करवाया गया। अस्पताल में प्रसव के दौरान पंचम कुमार की पत्नी और बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है और कहा कि इलाज के दौरान अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थे।

पूरे मामले में पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने संज्ञान लिया है। पांच सदस्य जांच टीम का भी गठन किया गया है और पूरे मामले में बुधवार तक रिपोर्ट मांगी गई है। पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बताया कि बुधवार की सुबह 10:00 बजे तक जान कमेटी से रिपोर्ट मांगी गई है। इलाज की समूची जानकारी मांगी जा रही है लापरवाही बरतने वालों को खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पूरे मामले में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के अधीक्षक का घेराव किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि 24 घंटे के अंदर मामले में कार्रवाई नहीं हो तो आंदोलन किया जाएगा। पार्टी नेता ज्योति पांडेय ने कहा कि यह लापरवाही है। गरीब एवं आम जनता के लिए अस्पताल है लेकिन मरीजों की जान चली जाए तो यह बड़ी लापरवाही है। इस मामले में कार्रवाई की जरूरत है।

रांची में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य, अफवाहों पर ध्यान न दें: जिला प्रशासन

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैल रही खबरों के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी, रांची सदर कुमार रजत ने विभिन्न तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी और जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम कुमार पांडेय भी मौजूद रहे।

इस बैठक में नामकुम और पिठोरिया क्षेत्र के कुछ पेट्रोल पंपों पर तेल की कमी को लेकर विभिन्न माध्यमों से प्रसारित हो रही खबरों की समीक्षा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत ने तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली। इस दौरान तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को बताया कि जिले में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है तथा किसी भी प्रकार की आपूर्ति बाधित नहीं हुई है।

जिला प्रशासन ने कहा कि कुछ स्थानों पर अफवाहों के कारण लोगों द्वारा जरूरत से अधिक ईंधन खरीदने की स्थिति बन रही है, जिससे कुछ पेट्रोल पंपों पर अस्थायी दबाव देखा गया। हालांकि कंपनियों ने स्पष्ट किया कि पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति लगातार जारी है।

बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत ने तेल कंपनियों को निर्देश दिया कि वे आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार नजर रखें और लॉजिस्टिक या परिवहन से जुड़ी किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी कंपनियां आपसी समन्वय के साथ काम करें। इसके साथ ही सभी तेल कंपनियों को अपने-अपने रिटेल आउटलेट्स की सतत मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया। प्रशासन ने कहा कि किसी भी पेट्रोल पंप पर अनावश्यक भीड़, जमाखोरी या कृत्रिम संकट जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर प्रशासनिक स्तर पर निगरानी और तेज की जाएगी।

अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन की खरीदारी करें। उन्होंने कहा कि जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित अपुष्ट खबरों पर भरोसा करने के बजाय लोग आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आधे घंटे की बारिश में घंटों सड़कों पर बहता रहा नाली का पानी

रामगढ़, एजेंसी। आधे घंटे की बारिश के बाद भी रामगढ़ शहर की सड़कों पर घंटों तक नाली का पानी बहता रहा, जिससे राहगीरों, एंबुलेंस और अन्य गाड़ियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर जलजमाव की स्थिति बन गई, जिससे आम लोगों का आवागमन प्रभावित रहा।

बारिश के बाद कई इलाकों में हालात ऐसे हो गए कि सड़क और नाली के बीच अंतर करना मुश्किल हो गया। खासकर मेन रोड पर जगह-जगह पानी जमा रहने से यातायात प्रभावित हुआ और जाम की स्थिति बनी रही।

स्थानीय लोगों ने कहा कि हर बारिश में ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक जल निकासी व्यवस्था में कोई ठोस सुधार नहीं किया गया है। लोगों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की।

पूर्व विधायक शंकर चौधरी ने कहा कि रामगढ़ में ड्रेनेज व्यवस्था का समुचित निर्माण नहीं होने के कारण हल्की बारिश में भी नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगता है। इससे आम लोगों का आवागमन प्रभावित होता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय निवासी सुमन सिंह ने कहा कि कई स्थानों

पर नालियों का निर्माण नहीं होने एवं नियमित सफाई के अभाव में बारिश का पानी सड़कों पर बहने लगता है, जिससे लोगों को परेशानी होती है।

स्थानीय निवासी आकाश कुमार गुप्ता ने बताया कि ब्लॉक चौक रामगढ़ में बारिश के बाद नालियों का पानी एनएच-33 पर बहना आम बात हो गई है। उन्होंने कहा कि इसी मार्ग से प्रशासनिक अधिकारी, नेता एवं मंत्री गुजरते हैं, बावजूद इसके समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

स्थानीय निवासी पंकज कुमार शर्मा ने कहा कि एनएच-33 की नालियों का गंदा पानी उनकी कॉलोनी में बहता रहता है। बारिश के बाद सड़क पर बने गड्ढों का पता नहीं चल पाता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है।

पथ प्रमंडल के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने कहा कि पटेल चौक से सांडी तक सड़क मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। इसके साथ ही सड़कों पर जमा एवं बहने वाले गंदे पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज निर्माण का कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्य इसी माह शुरू होने की संभावना है।

पत्नी पर ससुर की हत्या का आरोप, पुलिस की हिरासत में बहू

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के पंडरा थाना क्षेत्र स्थित विद्या नगर के भगवान अपार्टमेंट में बुजुर्ग डॉ। केश्वर प्रसाद गुप्ता की संदिग्ध मौत ने सनसनी फैला दी है। इस मामले में मृतक के पुत्र सौरभ गुप्ता ने अपनी पत्नी निकिता कुमारी पर पिता की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी बहू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पंडरा ओपी प्रभारी फैज रब्बानी ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 9 मई को निकिता कुमारी का अपने सास-ससुर के साथ विवाद हुआ था। सौरभ गुप्ता ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी का शादी के बाद से ही परिवार के साथ लगातार विवाद चल रहा था।

इसी वजह से घर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। सौरभ के मुताबिक, वह सुबह करीब सवा 11 बजे विवाद शांत कराने के बाद दफ्तर चले गए थे। दोपहर में उनकी मां खाना लेकर दफ्तर पहुंचीं। इस बीच उन्होंने मोबाइल से घर के सीसीटीवी कैमरे की फीड देखी तो पिता नजर नहीं आए और अचानक कैमरे की फीड कट गई।

सौरभ ने बताया कि संदेह होने पर वह अपनी मां के साथ तुरंत घर पहुंचे। वहां उनके पिता बिस्तर पर बेसुध पड़े मिले और उनकी सांसें नहीं चल रही थीं।

संक्षिप्त समाचार

रांची के हिंदपीढ़ी में संगठित तरीके चल रहा था नशे का कारोबार

रांची, एजेंसी। राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके में चल रहे नशा कारोबार के नेटवर्क को पुलिस ने ध्वस्त किया है। पुलिस के द्वारा की गई छापेमारी में एक महिला समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ब्राउन शुगर, गांजा, टैबलेट सहित नगद पैसे भी पुलिस के हाथ लगे हैं। दरअसल, रांची के हिंदीपीढ़ी थाना क्षेत्र में संगठित रूप से नशे का कारोबार किया जा रहा था। नशा तस्करों के द्वारा एजेंट बनकर ब्राउन शुगर, गांजा जैसे मादक पदार्थों की बिक्री की जा रही थी। सटीक सूचना मिलने पर एएसपी कोतवाली के नेतृत्व में चार थानों की पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर भारी मात्रा में ब्राउन शुगर, गांजा, नशीले इंजेक्शन, टेबलेट और लाखों रुपये नकद बरामद किए हैं। हालांकि इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड मुन्ना फरार होने में कामयाब हो गया। गिरफ्तार आरोपियों में साहिल उर्फ चरका, मोहम्मद एजाज उर्फ बाबू, अवधेश यादव, अनिल कुमार महतो, सरवर अंसारी और महिला शहनाज खातून शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, शहनाज खातून के घर से नशीले इंजेक्शन, टेबलेट, गांजा और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क से जुड़े कई और नाम सामने आ रहे हैं, सबकी जांच की जा रही है। वहीं फरार मास्टरमाइंड मुन्ना की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

रामगढ़ में युवक को लगी गोली, विवाद में फायरिंग की आशंका

रामगढ़, एजेंसी। जिला में रामगढ़ थाना क्षेत्र के पारसोतिया में रविवार देर रात अंकित यादव नामक युवक गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घायल युवक को तत्काल स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल के बाहर खून के छींटे और चप्पल पड़े मिले, जिससे घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पुलिस ने मौके को सुरक्षित कर फॉरेंसिक प्रक्रिया के तहत रक्त के नमूने और अन्य साक्ष्य एकत्र कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक को गोली किन परिस्थितियों में लगी है या मारी गई यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। इसके पीछे आपसी विवाद की आशंका जताई जा रही है। पूरे मामले पर रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि अंकित यादव नामक युवक को गोली लगने की सूचना मिली थी। घायल को अस्पताल भेज दिया गया है और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और यह मामला प्रारंभिक तौर पर आपसी विवाद से जुड़ा लग रहा है। इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही संबंधित व्यक्तियों की गतिविधियों और संभावित विवादों की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद घटनास्थल पर और अस्पताल में भारी संख्या में लोगों की भीड़ भी जमी हुई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पारसोतिया और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग पुलिस कार्रवाई और जांच के परिणाम का इंतजार कर रहे हैं।

धनबाद में एक आवास में बम विस्फोट, युवक बुरी तरह जख्मी

धनबाद, एजेंसी। जिला में सदर थाना क्षेत्र के ठाकुर कुल्ही में सोमवार की अहले सुबह हुए एक संदिग्ध विस्फोट से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना में शिवकुमार उर्फ टिंकू गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके में उसके दोनों हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे पहले शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार टिंकू कुछ दिन पहले ही ठाकुर कुल्ही में नया मकान बनाकर रहने आया था। आसपास के लोगों ने बताया कि सोमवार सुबह लगभग तीन बजे उसके घर की दिशा से तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। थोड़ी देर बाद वह खून से लथपथ हालत में पड़ोसियों के घर पहुंचा और सहायता की गुहार लगाई। लोगों ने देखा कि उसके दोनों हाथों से अत्यधिक खून बह रहा था। सूचना मिलते ही धनबाद और सरायढेला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। धनबाद थाना प्रभारी मनोज पांडे ने बताया कि शिवकुमार उर्फ टिंकू के खिलाफ धनसार थाना में गृहभेदन और चोरी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार वह धनसार क्षेत्र में टिंकू के नाम से कुख्यात रहा है और यहां पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस को आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति देर रात टिंकू के साथ उसके घर में प्रवेश करते दिखाई दिया है। कुछ देर बाद वह व्यक्ति अकेले बाहर निकलता नजर आता है। इसके लगभग पांच मिनट बाद टिंकू गंभीर रूप से घायल अवस्था में घर से निकलकर पड़ोसियों से मदद मांगता दिखाई देता है। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि धमाका किस कारण से हुआ और इसके पीछे की वास्तविक वजह क्या है। वहीं मामले को लेकर सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि बमबाजी की घटना घटी है।

साइबर अपराधियों को फर्जी सिमकार्ड

आपूर्ति करने वाले गिरोह सक्रिय, पुलिस ने किया भंडाफोड़

जामताड़ा, एजेंसी। साइबर अपराधियों को जामताड़ा में फर्जी सिमकार्ड आपूर्ति करने वाला एक नेटवर्क काम करता है। इसका एक गिरोह सक्रिय है जो दूसरे राज्यों का सिम लाकर साइबर अपराधियों को सप्लाई करता है।

ऐसे ही एक मामले का खुलासा पुलिस ने किया है। पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गया आरोपी का नाम यसमुद्दीन अंसारी शेख है जो नवाडीह थाना पालोजोरी जिला देवघर का रहने वाला है। ये गिरोह मजदूरों को रोजगार दिलाने के लिए बाहर ले जाता था। इसके बदले उसका आधार कार्ड, बैंक खाता का उपयोग करके फर्जी सिमकार्ड लेकर साइबर अपराधियों को सप्लाई करता था। जामताड़ा पुलिस साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई और छापेमारी कर रही है। इसके बावजूद साइबर अपराध पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पा रहा है। साइबर अपराधी फर्जी सिमकार्ड से ठगी को अंजाम देने में सफल हो रहे हैं।

आरोपी यसमुद्दीन अंसारी शेख के खिलाफ बिंदापाथर थाना में अगस्त 2023 में एक धोखाधड़ी को लेकर मामला दर्ज किया गया। जिसमें यह फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि फरार आरोपी बिंदापाथर थाना क्षेत्र में पहुंचा हुआ है। सूचना पाकर पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसंधान और पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि पकड़ा गया आरोपी यसमुद्दीन अंसारी दूसरे राज्य में काम दिलाने और रोजगार दिलाने के लिए यहां के लोगों को ले जाता था और वहां जाकर फिर इनका बैंक अकाउंट, पैन कार्ड छीनकर रख लेता था। फिर उनके

दस्तावेज के उपयोग कर फर्जी सिमकार्ड निर्गत करा लेता था और साइबर अपराधियों को आपूर्ति करता था।

हालांकि अब तक इसके द्वारा कितना फर्जी सिमकार्ड निर्गत कराया गया है और साइबर अपराधियों को आपूर्ति किया गया है, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस फिलहाल इसको लेकर छानबीन कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामला अभी अनुसंधान में है। जांच के बाद पता चलेगा कि पकड़ा गया आरोपी द्वारा कितना फर्जी सिम साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराया गया है।

ओडिशा, पश्चिम बंगाल अन्य राज्यों का सिम साइबर अपराधियों द्वारा किया जाता है उपयोग

साइबर अपराधियों द्वारा अधिकतर ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र अन्य राज्यों का फर्जी सिम का उपयोग किया जाता है। इन्हीं से साइबर ठगी को अंजाम दिया जाता है। एसपी कहते हैं कि ओडिशा और बंगाल से फर्जी सिम साइबर अपराधियों को आसानी से मिल जाता है। जिसमें एक निजी कंपनी का अधिकतर सिम जब्त पुलिस द्वारा किया जाता है। जिस पर और कठोर कार्रवाई करने की जरूरत है।

जामताड़ा एसपी शंभू कुमार सिंह ने इस मामले का खुलासा करते हुए प्रेस वार्ता के जरिए जानकारी दी। एसपी ने बताया कि साइबर अपराधियों को फर्जी सिमकार्ड उपलब्ध कराने वाला आरोपी यसमुद्दीन अंसारी जो देवघर जिला के पलोजोरी थाना का रहने वाला है। इसके विरुद्ध बिंदापाथर थाना में अगस्त 2023 में धोखाधड़ी का एक मामला दर्ज किया गया था।

जिसकी गिरफ्तारी के बाद पता चला कि आरोपी दूसरे राज्यों में यहां के लोगों को काम दिलाने के लिए ले जाता था। वहां पर उनका सारा दस्तावेज छीन लेता था और फिर उनके नाम से सिम ले लेता था और साइबर अपराधियों को आपूर्ति करता था।

एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि कितने फर्जी सिम साइबर अपराधियों को अब तक आपूर्ति किया है। इसकी जांच की जा रही है। एसपी ने बताया कि साइबर अपराधियों के और कितने नेटवर्क हैं कौन आपूर्ति कर रहा है इसको चिन्हित किया जा रहा है।

जामताड़ा जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सह वरीय अधिवक्ता मोहनलाल बर्मन ने इसको लेकर अपनी राय प्रकट की। उन्होंने साइबर अपराधियों को आसानी से मिल रहे फर्जी सिम को लेकर सही से जांच नहीं होने और अनुसंधान सही रूप से नहीं हो पाने की कमी गिनाई।

उनका कहना है कि पुलिस साइबर अपराधी के पास से जब्त सिम का सही रूप से जांच अनुसंधान नहीं कर पाती है। इसका फायदा साइबर अपराधियों को मिल जाता है। दो-तीन महीने जेल में रहते हैं और फिर जमानत मिल जाती है। वरीय अधिवक्ता मोहनलाल बर्मन ने प्रशासन साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए कठोर कानून बनाने और कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक साइबर अपराधियों के खिलाफ अपराध को लेकर कठोर कानून नहीं बन जाता तब तक इस पर पूरी तरह लगाम लगाना संभव नहीं है।

बोकारो सेक्टर 6 थाना के पास जंगल में बिखरे मिले दस्तावेज, पुलिस ने शुरू की जांच

बोकारो, एजेंसी। शहर के सेक्टर-6 थाना क्षेत्र के जंगल में भारी मात्रा में दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जिसमें सैकड़ों वोटर आईडी कार्ड, एटीएम कार्ड और पैन कार्ड मिले हैं। संवेदनशील दस्तावेज शहर के सेक्टर-6 थाना क्षेत्र स्थित टीवी टावर से सेक्टर-11 जाने वाली सड़क किनारे फेंका गया था।

पुलिस ने दस्तावेजों को जब्त कर शुरू की जांच

भारी मात्रा में वोटर आईडी कार्ड, एटीएम कार्ड और पेन कार्ड मिलने से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची सेक्टर 6 थाना की पुलिस ने सभी दस्तावेज जब्त कर जांच शुरू कर दी है। बरामद दस्तावेजों में अधिकांश की वैधता वर्ष 2027 से 2030 तक बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने जंगल में बड़ी संख्या में कार्ड बिखरे होने की जानकारी पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही सेक्टर-6 थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और करीब 500 वोटर आईडी कार्ड, 70 एटीएम कार्ड और 25 पेन कार्ड बरामद किए। शुरुआती जांच में अधिकांश वोटर कार्ड पर एड्रेस गलत पाया गया है।

इस मामले में बोकारो के डीसी अजय नाथ झा ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक साथ इतनी मात्रा में वोटर कार्ड, आधार कार्ड और एटीएम कार्ड मिलना जरूर संदेह पैदा करता है। जांच की जा रही है कि इतनी भारी मात्रा में कार्ड कहां से आया और किसका कार्ड है। इन कार्डों से क्या फर्जी काम किया जा रहा था। मामले में जांच के बाद जो रिपोर्ट आएगी उसके हिसाब से कार्रवाई की जाएगी। बोकारो डीसी ने कहा कि हम लोग जीरो टॉलरेंस पर काम कर रहे हैं, जो भी लोग सिस्टम से बाहर जाकर काम करेंगे उन पर कार्रवाई होगी।

रांची नगर निगम का बड़ा एक्शन: स्कूल एरिया से अतिक्रमण हटते ही बच्चों-अभिभावकों को मिली राहत

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में स्कूल क्षेत्रों को जाम और अव्यवस्था से मुक्त कराने के लिए रांची नगर निगम ने मंगलवार को बड़ा अभियान चलाया। नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने पीपी कंपाउंड मार्ग, गुरुनानक स्कूल रोड और नाला रोड इलाके में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाते हुए सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों पर कार्रवाई की। इस अभियान का सबसे बड़ा फोकस स्कूल आने-जाने वाले बच्चों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों को राहत देना रहा।

रांची नगर निगम के अनुसार गुरुनानक स्कूल रोड और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से सड़क किनारे अवैध कब्जे, बेतरतीब पार्किंग और नालियों पर बनाए गए अस्थायी ढांचे लोगों की परेशानी का कारण बने हुए थे। खासकर स्कूल के समय में यहां भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती थी, जिससे छात्रों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए निगम ने सख्त कार्रवाई करते हुए सड़क और नालियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया।

इस अभियान के दौरान सड़क किनारे लगी चार गुमटियों, ठेलों और अन्य अवैध सामग्रियों को जब्त किया गया। साथ ही रास्ता बाधित कर रहे वाहनों को हटाया गया और नालियों के ऊपर बनाए गए अवैध शेड एवं अस्थायी संरचनाओं को भी तोड़ा गया। निगम की टीम ने संबंधित लोगों को दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी भी दी।

कार्रवाई के दौरान निगम ने अवैध खटाल संचालन और नालियों में गंदगी डालने वाले संचालक पर 5000 रुपए का जुर्माना लगाया। वहीं सड़क किनारे गंदगी फैलाने वाले एक बाइक रिपेयरिंग दुकान संचालक पर 2000 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

नगर निगम ने साफ कहा है कि स्कूल क्षेत्रों, मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

सूरत में प्रवासी मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत,

शव के पहुंचते ही गांव में मचा बवाल

गिरिडीह, एजेंसी। जिले के बिरनी प्रखंड के प्रवासी मजदूर की सूरत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शव पहुंचते ही गुरहा गांव में बवाल की स्थिति उत्पन्न हो गई। बिरनी प्रखंड स्थित गुरहा गांव निवासी प्रवासी मजदूर सचिन प्रसाद वर्मा की सूरत में संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मंगलवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मामले को लेकर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की बहन ने सचिन की पत्नी और गांव के दो युवकों पर साजिश रचने का आरोप लगाया है। शव पहुंचने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी को घेर लिया और मारपीट भी की। सूचना पर भरकट्टा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति बिगड़ता देख बाद में एसडीपीओ धनंजय राम भी गांव पहुंचे।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

एसडीपीओ की काफी मशक्कत के बाद स्थिति नियंत्रित हुई। वहीं मौके पर पुलिस ने महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मामले को लेकर एसडीपीओ धनंजय राम ने बताया कि मामले की जांच जारी है। परिजनों के आवेदन के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सूरत पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि बाकी है। सचिन सूरत में मजदूरी करता था। एसडीपीओ ने कहा कि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सूरत पुलिस की जांच के बाद ही साफ हो पाएगी।

समय आने दीजिए झारखंड में भी खिलेगा कमल: बाबूलाल मरांडी

गिरिडीह, एजेंसी। मौसम आने दीजिये, समय का इंतजार कीजिए झारखंड में कमल खिलेगा। उक्त बातें नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह में मीडिया से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि झारखंड में संगठन अपना काम कर रही है। यहां भाजपा मजबूत है। बाबूलाल ने कहा कि जिस तरह से यूपी, बिहार और बंगाल ने कमल खिला है, उसी तरह यहां भी खिलेगा।

कानून व्यवस्था और डीजीपी नियुक्ति पर उठाए सवाल

इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने सूबे की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सूबे में कानून व्यवस्था बद-से-बदतर हो चुकी है। इस स्थिति तक लाने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि चूंकि राज्य के पुलिस कप्तान वैसे अधिकारी को बना दिया जा रहा है, जो रिटायर्ड होने वाले अधिकारी हैं। पहले अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाया था। जबकि अनुराग गुप्ता को इसी सरकार ने दो साल तक निलंबित रखा।

हद तो तब हो गई जब अनुराग गुप्ता सेवानिवृत्त हो गए फिर उन्हें गलत तरीके से डीजीपी बनाए रखा गया था। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जब आपराधिक गिरोह के सुजीत सिन्हा और उसकी पत्नी रिया सिन्हा पकड़ी गई तब अनुराग गुप्ता और उन दोनों के बीच सोशल मीडिया पर चैट का खुलासा हुआ। इसके बाद राज्य सरकार ने अनुराग गुप्ता से इस्तीफा लिया।

इसके बाद हेमंत सोरेन ने तदाशा मिश्रा को डीजीपी बनाया। जबकि तदाशा मिश्रा डीजीपी की रैंक में नहीं थीं। इसके बावजूद प्रमोशन देकर उन्हें डीजीपी बनाया गया। फिर जब उनकी सेवानिवृत्ति का समय आया तो एक्सटेंशन देकर डीजीपी बनाकर रखा गया है। उन्होंने कहा कि जब मामले में पता किया तो ऐसा मिला कि सरकार ने कहा है कि झारखंड में डीजीपी रैंक के जो भी पुलिस ऑफिसर हैं वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

लेकिन वास्तविकता यह है कि डीजीपी रैंक के एक भी पुलिस ऑफिसर केंद्र में प्रतिनियुक्त नहीं हैं। सभी झारखंड में ही हैं और तब भी गलत तरीके से डीजीपी बनाया गया। उन्होंने एसीबी की प्रमुख प्रिया दुबे को बनाए जाने पर सवाल उठाया है। बाबूलाल ने कहा कि प्रिया दुबे और उनके पति के ऊपर सीबीआई की जांच चल रही है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में उनकी प्रॉपर्टी को अटैच किया हुआ था। अब वो कैसे जांच करेंगी।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि शराब घोटाला में डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हुई। ताबड़तोड़ अभियान चला। उन्होंने कहा कि मैंने 2022 में सरकार को पत्र लिखा था कि घोटाला हो रहा है कार्रवाई कीजिए। बाद में कार्रवाई शुरू हुई तो लगा चलो अब तो कार्रवाई हो रही है, लेकिन महीनों बीत गए और बाय डीफॉल्ट लोगों को बेल भी मिल गया, पर आज तक चार्जशीट समर्पित नहीं की गई।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जहां इस तरह के अधिकारी रहेंगे तो अच्छे अधिकारियों का मनोबल गिरेगा ही। बेईमान ऑफिसर को जिला में पदास्थापित करेंगे तो व्यवस्था गड़बड़ होगी। इसलिए कहते हैं कि झारखंड में जो हेमंत सोरेन की सरकार है वह काम करने के लिए नहीं कमाने के लिए आई है।

पीएम के आह्वान पर सियासत जारी, जेएमएम ने तंज कसते हुए रखे 9 मांग

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ईंधन बचाने और सोना एक साल तक नहीं खरीदने की अपील पर सियासत जारी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पीएम नरेंद्र मोदी के इस आह्वान की आलोचना की है। जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में लॉक डॉउन जैसी आपातकाल थोपने की कोशिश हो रही है। क्योंकि देश आर्थिक रूप से कंगाल हो चुका है।

जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश छठी अर्थव्यवस्था पर ठहर गया है। हमसे उपर छोटा देश दक्षिण अफ्रीका और जापान चला गया है। जर्मनी पहले से ही था। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि बंगाल में जब शपथग्रहण हो रहा था तो गैस पर लाखों लोगों के लिए मछली भात और बिरयानी पक रहा था। वो गैस कंज्यूमर को कहां से आ जाता है।

देश की आर्थिक स्थिति, सोना खरीदने की अपील, नीट परीक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री की हैदराबाद में की गई अपील से देश की खराब आर्थिक स्थिति उजागर हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री के सामने 9 मांग रखी।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पहली मांग यह है कि प्रधानमंत्री एक वर्ष तक विदेश की यात्रा स्थगित करें। दूसरी मांग यह है कि प्रधानमंत्री एक वर्ष तक रोड शो और भाजपा की रैलियों को स्थगित करें। तीसरी मांग कॉर्पोरेट मित्रों की ऋणमाफी बंद करें। चौथी मांग भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अपने मंत्रिमंडल के मंत्रियों के काफिले पर एक वर्ष तक के लिए रोक लगे। पांचवीं मांग राज्य के प्राकृतिक संसाधन, जल-जंगल-जमीन को कॉर्पोरेट मित्रों को देना बंद करे।

इसके अलावे सुप्रियो भट्टाचार्य ने दूध और अंडा पर एमएसपी लागू करने की मांग करते हुए कहा है कि देश का मध्यम वर्ग लगातार आर्थिक दबाव झेल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले नोटबंदी कर देश की जनता को परेशान किया गया और अब लोगों को सोना नहीं खरीदने की सलाह दी जा रही है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जो प्रधानमंत्री पहले कहते थे कि विपक्ष की सरकार आने पर महिलाओं का सोना छीन लिया जाएगा, अब वही खुद सोना खरीदने से मना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी महिलाओं का स्त्रीधन तक निकलवाना चाहती है। सरकार की नीतियों से मध्यम और लघु उद्योग बर्बादी की कगार पर है। बंगाल और ओडिशा के स्वर्ण कारीगरों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। इस क्षेत्र में 50 लाख से अधिक लोग जुड़े हुए हैं। जिसमें 80 प्रतिशत बंगाल के कारीगर हैं और 20 प्रतिशत के करीब ओडिशा के हैं।

रांची से बीजेपी विधायक सीपी सिंह ने प्रधानमंत्री के बयान को सही बताते हुए कहा है कि यह राष्ट्रहित में है। क्योंकि जो सोना हम इस्तेमाल करते हैं, उसमें 80 से 90 फीसदी आयात विदेश से होता है। जिसके एवज में विदेशी मुद्रा देना होता है। जिस तरह से वैश्विक संकट आज के दिन में है। ऐसे में उन्होंने आह्वान किया है कि बेवजह गाड़ी लेकर इधर-उधर न घूमें। उन्होंने कांग्रेस द्वारा आलोचना किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। कहा कि कांग्रेस के नेता इतने बेशर्म हैं कि 2013 में उनकी सरकार के दौरान भी कहा था कि पेट्रोल डीजल का इस्तेमाल कम करें और सोना नहीं खरीदें, यह बात वह क्यों नहीं कहना चाहते हैं।

जमशेदपुर में ब्राउन शुगर के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, दंपती समेत 5 गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। पुलिस ने शहर में ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार के संगठित नेटवर्क का खुलासा किया है। ऑपरेशन प्रहार के तहत की गई कार्रवाई में एक दंपती समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 175 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत साढ़े तीन लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बर्मा माइंस थाना क्षेत्र के गांधी नगर बस्ती में संतोष सिंह अपने घर से ब्राउन शुगर का अवैध कारोबार चला रहा है। सूचना के आधार पर सीटी एसपी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई और त्वरित छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान संतोष सिंह के घर से 124 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई। मौके पर संतोष सिंह और उसकी दूसरी पत्नी आयशा खातून उर्फ बिल्लो को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ के दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी मिलने पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई की। गोविंदपुर क्षेत्र से गौरव कुमार उर्फ अमर और अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से क्रमशः 20 और 19 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके अलावा मानगो क्षेत्र के मुख्य पेडलर संजय गोस्वामी उर्फ संजय बंगाली को 12 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। जिला एसएसपी पीयूष पांडेय ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से जमशेदपुर के विभिन्न इलाकों में ब्राउन शुगर का कारोबार चला रहा था।

संक्षिप्त समाचार

निजी स्कूलों में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बड़े नीतिगत बदलावों का ऐलान

पटना,एजेंसी। बिहार के वर्तमान सरकार ने राज्य के लाखों अभिभावकों को बड़ी राहत देते हुए निजी स्कूलों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने स्पष्ट किया है कि अब प्रदेश के निजी स्कूलों में मनमानी नहीं चलेगी। शिक्षा व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक व्यापक कार्ययोजना की घोषणा की है, जिसका उल्लंघन करने पर स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। निजी स्कूलों पर सम्राट चौधरी का प्रहार : सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि निजी स्कूलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की पहल की गई है। प्रदेश के निजी स्कूलों में मनमानी रोकने, फीस को नियंत्रित करने और छात्रों व अभिभावकों के हितों की रक्षा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब नए आदेश के बाद नीजि स्कूलों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट में फीस का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा। इससे पिछले साल की तुलना में वर्तमान साल की फीस का स्पष्ट अंतर दिखाना अनिवार्य है, ताकि अभिभावकों को हर मद में ली जा रही राशि की सही जानकारी मिल सके। सम्राट चौधरी ने साफ लहजे में कहा कि आदेशों का उल्लंन करने वाले संस्थानों पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। यदि कोई स्कूल बार–बार नियमों की अनदेखी करता है, तो शिक्षा विभाग उसपर कड़ा एक्शन लेगा। सरकार ने अभिभावकों से भी अपील की है कि किसी भी तरह की अनावश्यक वसूली की शिकायत सीधे संबंधित जिले के शिक्षा अधिकारी से करें।

शिक्षा मंत्री चार्जशीटेड हैं? सवाल पर बोले डिप्टी सीएम- दस्तावेज दीजिए, जांच हो जाएगी

पटना,एजेंसी। जब से बीजेपी विधायक मिथिलेश तिवारी शिक्षा मंत्री बने हैं, तब से लगातार सुर्खियों में हैं। कभी लड़कियों की शिक्षा से पर दिए बयानों को लेकर तो कभी 'झाड़–फूंक' वाले वीडियो के वायरल होने से विवादों में हैं। अब उनके ऊपर चल रहे मुकदमे पर चर्चा शुरू हो गई है। आज डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी से पत्रकारों ने पूछा कि क्या शिक्षा मंत्री चार्जशीटेड हैं? सवाल सुनते ही उप–मुख्यमंत्री भड़क गए। हालांकि उन्होंने कहा कि दस्तावेज है तो दीजिए, जांच करवा लेंगे। डिप्टी सीएम सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी से पत्रकारों ने पूछा कि शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के बारे में कहा जा रहा है कि वह चार्जशीटेड हैं। इस पर आप क्या कहना चाहते हैं। सवाल सुनकर उन्होंने कहा कि अगर इससे जुड़ा कोई दस्तावेज है तो दे दीजिए जांच करवाएंगे लेकिन दस्तावेज नहीं है तो गलत आरोप ना लगाएं। वहीं सोना न खरीदने को लेकर पीएम मोदी की अपील का उप–मुख्यमंत्री ने समर्थन किया। विपक्ष के सवाल उठाने पर विजय चौधरी ने कहा, 'जिसको देश से प्रेम नहीं होगा, वही लोग इन सब चीजों का विरोध करेंगे।' विजय चौधरी ने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक स्थिति उसके विदेशी मुद्रा भंडार के आधार पर होता है और देश में पेट्रोलियम पदार्थ के बाद सोने के आयात पर बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ता है। इसीलिए प्रधानमंत्री ने जो परिस्थितियों बन रही है, उसको देखते हुए यह सलाह दिया है। इससे तो देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

रक्सौल-नरकटियागंज के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, यात्रियों की भीड़ देख रेलवे का निर्णय

समस्तीपुर,एजेंसी। पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मंडल की ओर से रक्सौल और नरकटियागंज के बीच एक विशेष स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया गया है। इस ट्रेन का परिचालन आगामी 16 मई 2026 से शुरू होगा। रेलवे प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 05543 और 05544 वाली यह स्पेशल ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलाई जाएगी। इसका परिचालन प्रत्येक शनिवार और गुरुवार को होगा, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 05543 रक्सौल–नरकटियागंज स्पेशल ट्रेन 16 मई 2026 से अपनी सेवाएं देगी। यह ट्रेन रक्सौल स्टेशन से दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर प्रस्थान करेगी। रास्ते में यह सिकटा स्टेशन पर 2 बजकर 38 मिनट पर रुकेगी और शाम 3 बजकर 35 मिनट पर नरकटियागंज स्टेशन पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 05544 नरकटियागंज–रक्सौल स्पेशल ट्रेन का भी परिचालन उसी दिन से किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार और गुरुवार को नरकटियागंज स्टेशन से शाम 7 बजकर 40 मिनट पर खुलेगी। इसके बाद सिकटा स्टेशन पर रात 8 बजकर 3 मिनट पर ठहराव करते हुए रात 8 बजकर 50 मिनट पर रक्सौल पहुंचेगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार इस स्पेशल ट्रेन के संचालन का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है। खासकर गर्मी के मौसम और त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी देखी जाती है, जिसके कारण नियमित ट्रेनों में भारी भीड़ हो जाती है। ऐसे में यह स्पेशल ट्रेन यात्रियों के लिए काफी लाभदायक साबित होगी। स्थानीय यात्रियों ने भी रेलवे के इस फैसले का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि रक्सौल और नरकटियागंज के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, व्यवसायियों और छात्रों को इस स्पेशल ट्रेन से बड़ी राहत मिलेगी।

पटना के दानापुर में चोरों ने सिग्नल केबल ही काट लिया,

श्रमजीवी-हमसफर समेत कई ट्रेनों के पहिए थमे

पटना ,एजेंसी। पटना से सटे दानापुर रेलवे स्टेशन के खगौल गुमटी के समीप मंगलवार तड़के चोरों ने रिले इंटरलाकिंग (आरआरआई) रूम का ताला तोड़कर सिग्नल केबल ही काट दिया। इसके कारण अप एवं डाउन रेल लाइन पर ट्रेनों का परिचालन लगभग दो घंटे तक बाधित रहा। कई ट्रेनें जहां-तहां खड़ी रहीं। कई ट्रेनें घंटों विलंब से पटना पहुंची। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चोरों के द्वारा केबल क्षतिग्रस्त करते ही सिग्नल बाधित हो गया। इससे अफरातफरी मच गई। रेलकर्मी आरआरआई रूम की तरफ दौड़े। उन्हें देखते ही चोर केबल (तांबे की स्ट्रीप)लेकर भाग गए। इस तांबे की स्ट्रीप की कीमत 1700 रुपये है।

सूचना मिलते ही दानापुर मंडल स्थित सिग्नल एवं तकनीकी विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त केबल को दुरुस्त किया। दानापुर मंडल के सीनियर डीसीएम अभिनव सिद्धार्थ ने बताया कि कई ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। वहीं, आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट उदय सिंह पवार ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। दानापुर रेलवे स्टेशन के खगौल गुमटी के समीप सिग्नल केबल काटने की वजह से करीब 12 ट्रेनें प्रभावित रहीं। ये ट्रेन विभिन्न स्टेशनों पर खड़ी रहीं।

हमसफर-श्रमजीवी जैसी ट्रेनों पर असर: 13258 जनसाधारण एक्सप्रेस, जो प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे दानापुर पहुंचती है, लगभग साढ़े चार घंटे की देरी से दोपहर 12:02 बजे पहुंची। 15125 काशी-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस बिहटा स्टेशन पर देर तक खड़ी रही। 63232 डाउन बक्सर-पटना मेमू को पाली हाल्ट पर रोका गया, जबकि 22362 डाउन एक्सप्रेस कुल्हाड़िया स्टेशन पर रुकी रही। 20802 डाउन मगध और 53212 सासाराम-पटना सवारी गाड़ी आरा स्टेशन पर घंटों खड़ी रही।

दानापुर से तिलैया जाने वाली 53232 डाउन सवारी गाड़ी, जिसका निर्धारित प्रस्थान समय सुबह 8:50 बजे था, वह दोपहर 12 बजे तक स्टेशन से रवाना नहीं हो सकी। 53202 डाउन बक्सर-पटना फास्ट ट्रेन और 53262 डाउन बक्सर-फतुहा सवारी ट्रेन भी घंटों विलंब से पटना पहुंचीं। 63242 गया-पटना मेमू ट्रेन भी देरी से चली। 22354 डाउन बेंगलुरु-पटना हमसफर पटना जंक्शन पर तय समय 10:25 बजे की बजाय दोपहर 1:07 बजे पहुंची। वहीं 12391 अप श्रमजीवी एक्सप्रेस भी विलंब से रवाना हुई।

गरीब रथ से निकला धुआं, 30 मिनट रुकी : इधर खुसरूपुर के हरदासबीघा के पास मंगलवार को ब्रेक वाइंडिंग से 30 मिनट तक 22406 डाउन गरीब रथ एक्सप्रेस रुकी रही। फतुहा रेलवे स्टेशन पार करने के बाद ही ट्रेन में ब्रेक वाइंडिंग हो गया। ट्रेन से धुआं निकलता देख यात्रियों में दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन को नियंत्रित तरीके से रोक दिया। जांच करने पर पाया गया कि कोच के नीचे पहिए में ब्रेक बाइंडिंग की समस्या के कारण तेजी से धुआं उठ रहा था। रेलवे कर्मचारियों ने तकनीकी खामियों की पहचान के बाद उसे ठीक कर दिया। इस वजह से हरदासबीघा स्टेशन के पास गरीब रथ एक्सप्रेस को करीब 30 मिनट के लिए रोका गया।

गरीब रथ आनंद विहार से चलकर भागलपुर जा रही थी। तभी मंगलवार की सुबह ब्रेक बाइंडिंग हो गया। घटना के दौरान यात्रियों में थोड़ी देर के लिए अफरातफरी का माहौल बना, लेकिन लोको पायलट की तत्परता से ट्रेन को नियंत्रित तरीके से रोक दिया। यात्रियों के अनुसार, राजेंद्र नगर स्टेशन से ही ट्रेन में समस्या सामने आ रही थी।

बिहार में बाल आश्रय गृह से 10 बच्चे फरार, प्रशासनिक महकमे में हड़कंप

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर बड़ी खबर सामने आई है। मुसहरी थाना क्षेत्र के नरौली स्थित बाल आश्रय गृह से देर रात करीब 10 बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में फरार हो गए। घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही एसडीओ (पूर्वी) तुषार कुमार, मुसहरी थाना पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई।

निरीक्षण के दौरान सामने आया मामला : जानकारी के अनुसार, अनुमंडल पदाधिकारी (पूर्वी) तुषार कुमार ने नरौली स्थित बाल आश्रय गृह का निरीक्षण किया। इसी दौरान यह खुलासा हुआ कि आश्रय गृह से करीब 10 बच्चे गायब हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि देर रात बच्चे सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए दीवार फांदकर या किसी अन्य रास्ते से फरार हो गए।

पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई तेज : इस संबंध में आश्रय गृह के अधीक्षक की ओर से मुसहरी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुसहरी थाना पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। आश्रय गृह में मौजूद अन्य बच्चों और कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बच्चे कब और कैसे फरार हुए। घटना के बाद आश्रय गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल फरार बच्चों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

22 दिनों पहले हुआ था ट्रांसफर : जिला बाल संरक्षण के सहायक निदेशक अभिषेक कुमार ने बताया कि यह बाल आश्रय गृह पहले सिकंदरपुर में संचालित होता था, जिसे 18 अप्रैल को वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित किया गया था।

सुपरिटेंडेंट के अनुसार, बच्चों ने खिड़की की ग्रिल तोड़कर वहां से फरार होने की कोशिश की, जिसमें करीब 10 बच्चे पलायन कर गए। प्रारंभिक जांच में सुरक्षा गार्ड की लापरवाही सामने आ रही है, जिसके कारण इस तरह की घटना हुई। **सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल :** नरौली बाल आश्रय गृह से एक साथ 10 बच्चों का फरार होना सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक माना जा रहा है।

बिहार में कॉलेज गेट के बाहर छात्र की हत्या, 15 बार घोंपा चाकू

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी में छात्र की हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आई है। कोटवा थाना क्षेत्र के एकेआरआर कॉलेज के गेट पर परीक्षा देकर निकले बीए थर्ड पार्ट के छात्र की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। उस पर 15 से ज्यादा चाकुओं से वार किए गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान रितेश कुमार यादव (25 वर्ष) के रूप में हुई है, जो कल्याणपुर थाना क्षेत्र के देवपुर परसा वार्ड नंबर 12 के रहने वाले विद्या राय का बेटा था। वह एकेआरआर कॉलेज में बीए थर्ड पार्ट की परीक्षा दे रहा था। परिजनों ने बताया कि रितेश कॉलेज में परीक्षा देने आया था। परीक्षा खत्म होने के बाद जैसे ही वह कॉलेज गेट से बाहर निकला, पहले से घात लगाए दूसरे छात्र सरोज राय ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया।

आरोपी ने रितेश पर एक-दो नहीं, बल्कि करीब 15 बार चाकू से वार किए। रितेश लहूलुहान होकर गेट पर ही गिर पड़ा। आसपास मौजूद छात्रों और लोगों में अफरा-तफरी मच गई। भीड़ का फायदा उठाकर हमलावर मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और गंभीर रूप से घायल रितेश को अस्पताल ले जाने की कोशिश की लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं, सूचना मिलते ही कोटवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधीक्षक ने भी घटनास्थल का दौरा किया और जांच टीम को आवश्यक निर्देश दिए।

देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्राया पटना

पुलिस एनकाउंटर में दो कुख्यात अपराधी घायल

पटना ,एजेंसी। राजधानी पटना से करीब 25 किलोमीटर दूर बिहटा में मंगलवार देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस एनकाउंटर में दो कुख्यात अपराधियों के पैर में गोली लगने से वे घायल हो गए। घायल अपराधियों की पहचान विदेशी राय और पप्पू राय के रूप में हुई है, जिन पर पटना और आसपास के इलाकों में हत्या, लूट और रंगदारी सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सूचना के आधार पर पटना एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि दोनों अपराधी किसी बड़ी वारदात की फिराक में बिहटा के आनंदपुर बांध के पास मौजूद हैं। इसके बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। पुलिस के रोकने की कोशिश पर अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में एसटीएफ ने भी कार्रवाई की। इसी दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लग गई।

घायल अपराधियों को पहले बिहटा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार दोनों अपराधी 'सुपारी किलर' की तरह काम करते थे और कई मामलों में वांछित थे। पुलिस लंबे समय से आरोपियों की तलाश कर रही थी। घटना के बाद वरीय पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार एसटीएफ को सूचना मिली थी कि दोनों अपराधी बिहटा थानाक्षेत्र में हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। जिसके बाद एसटीएफ और स्थानीय बिहटा पुलिस को दोनों कुख्यात अपराधियों का लोकेशन बिहटा के आनंदपुर गांव के बांध के पास मिला। पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्र में घेराबंदी की और उन्हें सरेंडर करने को कहा।

हालांकि लेकिन दोनों कुख्यात अपराधी पुलिस पर फायरिंग करने लगे। इसके बाद पुलिस और स्त्रश्नस्न ने जवाबी कार्रवाई में दोनों अपराधियों के पैर में गोली मारी। जिससे दोनों घायल हो गया और पकड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा।

घटना को लेकर दानापुर डीएसपी 2 अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि पटना एसटीएफ की सूचना पर स्थानीय पुलिस और स्त्रश्नस्न के द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। आनंदपुर गाँव के बांध के पास घेराबंदी के दौरान जब अपराधियों को सरेंडर करने के लिए कहा गया, तब वे पुलिस पर फायरिंग करने लगे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जो दोनों अपराधियों के पैर में लगी। घटनास्थल से पुलिस ने एक देशी कट्टा और एक पिस्टल भी बरामद की है।

पटना एसएसपी कार्तिकेय कुमार शर्मा ने बताया कि अवधेश साव उर्फ विदेशिया के ऊपर कई हत्या और आपराधिक मामले दर्ज थे। फिलहाल हाल के दिनों में एक घटना में वांटेड चल रहा था। एक टीम के द्वारा क्षेत्र में छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में सूचना मिली कि विदेशिया बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में जुटा हुआ है। अवधेश साव, पप्पू राय और दीपक को पकड़ा गया। उसे पूछताछ की गई। हथियार रिकवरी को लेकर अवधेश साव, और पप्पू राय को बिहटा क्षेत्र में लाया गया।

आरजेडी सांसद की गाड़ी पर हमला, हमलावरों ने पीए व चालक को बेरहमी से पीटा

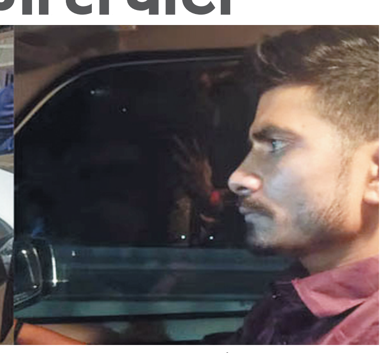

औरंगाबाद ,एजेंसी। औरंगाबाद जिले में मंगलवार देर शाम एक बड़ा बवाल उस समय खड़ा हो गया, जब राजद सांसद अभय कुमार सिंहा उर्फ अभय कुशवाहा की गाड़ी पर हमला कर दिया गया। घटना मदनपुर थाना क्षेत्र के हसनबार गांव के पास की बताई जा रही है। हमले के दौरान सांसद के निजी सहायक (पीए) और चालक के साथ मारपीट की गई, जबकि वाहन के शीशे भी तोड़ दिए गए। राहत की बात यह रही कि घटना के समय सांसद खुद गाड़ी में मौजूद नहीं थे।

जानकारी के मुताबिक, सांसद के निजी सहायक संजय कुमार, सांसद की अनुपस्थिति में मदनपुर के श्रीडीह गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से लौटने के दौरान हसनबार गांव के पास संकरी सड़क पर सामने से आ रही गाड़ियों को साइड देने को लेकर विवाद शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि सांसद की गाड़ी के चालक ने पहले अपनी गाड़ी पीछे कर दूसरी गाड़ी को रास्ता दिया। इसके बाद दूल्हा पक्ष के एक वाहन को सांसद की गाड़ी के सामने खड़ा कर दिया गया, जिससे विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने सांसद की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया और चालक नौलेश यादव उर्फ रौशन के साथ जमकर मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे पीए संजय कुमार के साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। घटना में चालक को गंभीर चोटें आई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही मदनपुर थाना पुलिस और सदर एसडीपीओ-2 चंदन कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुके थे। सांसद के निजी सहायक ने बताया कि हमला करने वाले तीन लोगों की पहचान कर ली गई है। इनमें हसनबार गांव निवासी रौशन कुमार, सोनू कुमार और सुधीर कुमार शामिल हैं। मामले में सांसद के वाहन चालक की ओर से मदनपुर थाना में लिखित शिकायत देने की तैयारी की जा रही है।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद अभय कुशवाहा ने कहा कि वह फिलहाल पटना में एक शोक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उन्होंने कहा कि उनकी अनुपस्थिति में उनके निजी सहायक शादी समारोह में शामिल होने गए थे, तभी वाहन पर हमला किए जाने की सूचना मिली। सांसद ने कहा कि गाड़ी पर सांसद का बोर्ड लगे होने के बावजूद हमला किया जाना बेहद निंदनीय है।

बिहार में रूढ़िवादी परंपरा की बेड़ियां तोड़ बेटियों ने दिया पिता की अर्थी को कंधा, समाज को दिया बड़ा संदेश

वैशाली,एजेंसी। बिहार के वैशाली में वैशाली थाना क्षेत्र स्थित नया टोला गांव में बेटियों ने समाज की कई पुरानी और रूढ़िवादी परम्पराओं को तोड़ दिया है। अक्सर यह धारणा बनी रहती है कि पिता की अर्थी को केवल बेटा ही कंधा दे सकता है, लेकिन यहां बेटियों ने इस सोच को बदल दिया।

तारिणी प्रसाद का निधन: दरअसल नया टोला निवासी 79 वर्षीय तारिणी प्रसाद सिंह का निधन हो गया, जिनके परिवार में उनकी पत्नी ललिता देवी और पांच बेटियां हैं।पुत्र नहीं होने के कारण उनके निधन के बाद शव को कंधा देने और अंतिम संस्कार की प्रक्रियाओं को लेकर गांव में असमंजस की स्थिति थी।

बेटियों ने निभाया फर्ज : इस मुश्किल घड़ी में पांचों बेटियां आगे आईं और पिता की अर्थी को कंधा देकर पूरे रीति-रिवाज के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न किया। पूनम सिंह, नीलम सिंह, माधुरी सिन्हा, माला सिंह और चांदनी सिंह ने मिलकर अपने पिता के प्रति अंतिम फर्ज निभाया।

भावुक हुआ पूरा गांव: अपनी आंखों के सामने बेटियों द्वारा पिता की अर्थी को कंधा देते देख गांव का हर व्यक्ति भावुक हो गया और वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। यह हृदयस्पर्शी दृश्य अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है और हर कोई बेटियों के साहस की सराहना कर रहा है।

भेदभाव पर कड़ा प्रहार: बेटी माधुरी सिंह ने कहा कि समाज में अक्सर लड़के को ज्यादा महत्व दिया जाता है। लोगों को लगता है कि दुनिया सिर्फ लड़के से चलती है। उन्होंने बताया कि समाज में लड़का-लड़की के बीच व्याप्त भेदभाव को खत्म करने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है।

बेटियां नहीं हैं कमजोर: सभी बेटियों का कहना है कि वे इस कार्य के माध्यम से समाज को आईना दिखाना चाहती हैं कि लड़की कभी कमजोर नहीं होती। वह चाहे तो कुछ भी कर सकती है। तारिणी प्रसाद की इन पांचों बेटियों ने साबित कर दिया कि बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं होता।

गोपालगंज में बंगाल और असम से लाई गई 44 लड़कियां मिलीं, पुलिस ने सबको फ्री कराया

गोपालगंज,एजेंसी। बिहार के गोपालगंज जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र में मंगलवार को आर्केस्ट्रा समूहों के खिलाफ अभियान चलाकर 44 से अधिक नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया है। 15 से अधिक आर्केस्ट्रा समूहों पर छापेमारी में पांच महिला सहित 21 संदिग्धों को ट्रैफिकिंग और बच्चियों के शोषण के आरोप में गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है।

अपर पुलिस महानिदेशक ,कमजोर वर्ग अमित जैन और एसपी विनय तिवारी की देखरेख चलाए गए इस अभियान में कुचायकोट पुलिस, एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन, नारायणी सेवा संस्थान और बिहार पुलिस मुख्यालय की संयुक्त टीम शामिल थी।

पुलिस के अनुसार मुक्त कराई गई लड़कियों की उम्र 10 से 17 वर्ष के बीच है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बच्चियों को पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों से झांसा देकर लाया गया था। काउंसलिंग के बाद सभी बच्चियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। उनकी मेडिकल जांच,उम्र सत्यापन और अन्य कानूनी प्रक्रिया जारी है।

पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के गुरुसदे रजना, उत्तर प्रदेश के बनारस जिले के मनोज सोनार, पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले के सुमित गोरे, गोपालगंज जिले के कुशौंधी बाजार निवासी विकास कुमार सिंह, पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के ओमिर बाग सोम, गोपालगंज जिले के विशम्भरपुर निवासी पिंटू साह, पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के राहुल मंडल, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सेफुल्लाह रसखोर को पकड़ा गया है।

इसके अलावा पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के सुब्रतो साधक, पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के राजू पासवान, गोपालगंज जिले के कुचायकोट निवासी जीत कुमार सिंह, गोपालगंज जिले के मठवा परसुराम निवासी अनुप कुमार कुशवाहा, झारखंड के गिरिडीह जिले के शंकर कुमार, उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर निवासी

आलोक श्रीवास्तव, पश्चिम बंगाल के नोदिया जिले के रजक मंडल तथा गोपालगंज जिले के कुचायकोट निवासी नीरज कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया कि शादी-विवाह के मौसम में आर्केस्ट्रा समूहों द्वारा ट्रैफिकिंग के जरिए नाबालिग लड़कियों को बुलाया जाता था। उनसे भोजपुरी गीतों पर अश्लील नृत्य कराया जाता था। कई लड़कियों ने काउंसलिंग के दौरान बताया कि उन्हें बेहतर जिंदगी, फिल्मों में काम और रुपये का लालच देकर इस धंधे में धकेला गया। कुछ ने यह भी बताया कि कथित प्रेमियों ने उन्हें बेच दिया। एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के वरिष्ठ निदेशक मनीष शर्मा ने कहा कि कार्रवाई से ट्रैफिकिंग गिरोहों और आर्केस्ट्रा समूहों की मिलीभगत उजागर हुई है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि बरामद किशोरियों में एक किशोरी राजस्थान की रहने वाली है। वह पिछले पांच वर्षों से लापता थी और उसके गायब होने की रिपोर्ट वहां के स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई थी। पूछताछ के बाद गोपालगंज पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बरामद की गई लड़कियों में सबसे अधिक संख्या पश्चिम बंगाल की किशोरियों की है। दलालों द्वारा पैसा की लालच देकर डांस कराया जाता है।

बता दें कि इससे पहले 18 मार्च 2026 को गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की थी। सूचना मिली थी कि ऑर्केस्ट्रा एवं डांस ग्रुप के नाम पर बाहर से लाई गई किशोरियों से जबरन डांस कराया जा रहा है तथा उनका शोषण किया जा रहा है।सूचना के बाद पुलिस ने एसोसिएशन फॉर वोलंटरी एक्शन, पटना, नारायणी सेवा संस्थान, गोपालगंज तथा बैकुंठपुर थाना की महिला पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों के साथ संयुक्त विशेष टीम बनाकर छापेमारी की थी। कार्रवाई के दौरान कुल 10 किशोरियों को बरामद कर मुक्त कराया गया था। एक ऑर्केस्ट्रा संचालक और दो संचालिकाओं को गिरफ्तार किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई से शुरू हुई कहानी गांव की उलझनों में बदली, एक ही कमरे में मिला दंपती का शव

गोरखपुर, एजेंसी। निकहत बचपन से ही अपने परिवार के साथ मुंबई में रह रही थी और वहीं पली–बढ़ी। शादाब से शादी के बाद वह गांव के माहौल और पारंपरिक जीवनशैली में खुद को ढाल नहीं पा रही थी। परिवार के अनुसार, शादी के कुछ ही दिनों बाद दोनों के बीच आपसी मतभेद बढ़ने लगे थे, जो धीरे–धीरे विवाद का कारण बन गया। आए दिन दोनों में विवाद शुरू हो गया था। रोजमर्रा की जिंदगी में बढ़ते तनाव के बीच दोनों के रिश्ते में खटास साफ दिखाई देने लगी थी। बताया जा रहा है कि निकहत कई बार शादाब पर आर्थिक असमर्थता और बेरोजगारी को लेकर ताने कसती थीं। दोनों के बीच बातचीत में तीखापन बढ़ता जा रहा था और घर का माहौल लगातार तनावपूर्ण होता जा रहा था। मंगलवार रात दोनों ने साथ में खाना खाया और अपने कमरे में चले गए। घरवालों को उस समय किसी अनहोनी का अंदेशा नहीं था। सुबह जब काफी देर तक कमरा नहीं खुला तो परिवार को चिंता हुई। कई बार आवाज देने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। स्थिति संदिग्ध लगने पर घरवालों ने दरवाजा तोड़ा जिसके बाद जो दृश्य सामने आया उसने सभी को झकझोर दिया। कमरे में शादाब का शव सीलिंग फैन से लटका हुआ पाया गया जबकि निकहत बेड पर मृत अवस्था में पड़ी थी। उसके मुंह से झाग निकलने की बात भी सामने आई। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि निकहत और शादाब के बीच व्हाट्सएप पर बातचीत होती थी। पुलिस को निकहत की ओर से भेजे गए कुछ संदेश मिले हैं, जिनसे दोनों के रिश्तों में तनाव की पुष्टि होती है। एसपी साउथ दिनेश पुरी के अनुसार, दोनों के मोबाइल फोन लॉक हैं, जिन्हें खोलने के लिए साइबर और फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। मोबाइल डेटा की जांच से घटना से जुड़े कई अहम तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है।

चाय बनाते समय गैस लीकेज से लगी आग, तीन दुकानें जलीं

गोरखपुर, एजेंसी। शाहपुर क्षेत्र के असुरन पुलिस चौकी के सामने मंगलवार सुबह करीब छह बजे चाय बनाते समय गैस लीकेज से भीषण आग लग गई। हादसे में तीन दुकानें जलकर राख हो गईं। सिलिंडर फटने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पादरी बाजार निवासी पप्पू गुप्ता रेलवे अस्पताल की पश्चिमी दीवार से सटी टिनशेड की दुकान में चाय–नाश्ता बेचते हैं। उनके बगल में पिपराइच के हैदरगंज निवासी रवि की मिट्टी के बर्तनों की दुकान और बौलिया कॉलोनी निवासी संजय कुमार की गैस चूल्हा रिपेयरिंग व गैस रिफिलिंग की दुकान है। पप्पू गुप्ता के अनुसार, सुबह चाय बनाने के दौरान अचानक गैस रिसाव होने लगा और आग भड़क उठी। आग बुझाने की कोशिश में उनका हाथ झुलस गया। आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन तेज लपटों ने देखते ही देखते आसपास की दुकानों को चपेट में ले लिया। इसी दौरान एक दुकान में रखे दो बड़े और एक छोटे सिलिंडर में विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। सिलिंडर का एक टुकड़ा पास स्थित पुलिस चौकी के समीप जा गिरा। एहतियात के तौर पर असुरन से धर्मशाला जाने वाले मार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात रोक दिया गया और वाहनों को यांत्रिक कारखाना मार्ग की ओर डायवर्ट किया गया। इसी बीच मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, कोई जनहानि नहीं हुई है।

ऑनलाइन दवा बिक्री पर मतभेद, 20 मई को बंदी और दुकानों के खुलने को लेकर दो संगठन आमने-सामने

गोरखपुर, एजेंसी। 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद को लेकर दवा व्यापारियों के दो संगठनों के बीच अलग–अलग राय सामने आई है। दो संगठन आमने–सामने आ गए हैं। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने बंदी का विरोध किया है। वहीं दवा विक्रेता समिति ने बंदी का समर्थन किया है। संगठन के अध्यक्ष योगेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर नियंत्रण नहीं होने से मरीजों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि होलसेल व्यापार में लगभग 10 प्रतिशत और रिटेल में 20 प्रतिशत मार्जिन मिलता है, जबकि ऑनलाइन कंपनियां 50 प्रतिशत तक छूट देकर बाजार प्रभावित कर रही हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना पर्याप्त जानकारी और वैध पर्चे के दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। नशे में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की बिक्री पर भी नियंत्रण नहीं है।वहीं दूसरी ओर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव सुरेश गुप्ता और जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ने बंद का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि मरीजों का हित सर्वोपरि है और दवा दुकानों के बंद होने से आम लोगों को परेशानी होगी। संगठन ने स्पष्ट किया कि 20 मई को उनकी दवा दुकानें खुली रहेंगी। दोनों संगठनों ने अपनी–अपनी बैठकों में व्यापार और मरीज हित को लेकर अलग–अलग पक्ष रखे हैं, जिससे दवा कारोबारियों के बीच भी मतभेद साफ दिखाई दे रहे हैं।

पश्चिमी यूपी में एक बार फिर बदलेगा मौसम

आंधी के साथ हो सकती है बारिश, बुंदेलखंड में लू का अलर्ट

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से मौसम का अजब गजब हाल है। पश्चिमी यूपी के कई जिलों में तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश ने राहत दी, जबकि बुंदेलखंड समेत कई इलाकों में गर्मी ने फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए। बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में झमाझम बारिश हुई। मुरादाबाद में 12.8 मिमी और बरेली में 11.8 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। सहारनपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर और आगरा में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

वहीं झांसी, प्रयागराज, वाराणसी और हमीरपुर में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग ने बुधवार को पूर्वी तराई के 11 जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर बुधवार तक बना रहेगा। इसके बाद बृहस्पतिवार से प्रदेश में तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा और गर्मी फिर जोर पकड़ सकती है।

यहां है तेज हवा और गरज चमक की चेतावनी : देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच व आस पास के क्षेत्र।

अब रंग दिखाएगी जेठ की गर्मी, चढ़ेगा पारा : राजधानी में जेठ की गर्मी रंग दिखाने लगी है। मंगलवार को तपिश के साथ उमस की दोहरी मार पड़ी। दिन चढ़ने के साथ सख्त धूप हुई और पारे में 0.8 डिग्री की बढ़त आई। मौसम विभाग ने एक हफ्ते में अधिकतम तापमान में छह डिग्री तक की बढ़त के आसार जताए हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नए सक्रिय हुए विक्षोभ का लखनऊ में खास असर नहीं पड़ने वाला है। हालांकि, बुधवार सुबह बादलों की आवाजाही के आसार हैं। इसके बाद आने वाले दिनों में फिर से तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री रहा। न्यूनतम पारा 0.6 डिग्री की बढ़त के साथ 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

सर्वाधिक तापमान वाले जिले

बांदा	43.6 डिग्री सेल्सियस
झांसी	43 डिग्री सेल्सियस
प्रयागराज	42 डिग्री सेल्सियस
वाराणसी	40.5 डिग्री सेल्सियस

एचएएल के सेवानिवृत्त कर्मियों को मिलेगी उच्च पेंशन

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में हिंदुस्तान एरोनॉटिक लिमिटेड (एचएएल) के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उच्च पेंशन देने का रास्ता साफ कर दिया है। न्यायालय ने ईपीएफओ की ओर से संयुक्त विकल्प फॉर्म खारिज करने के आदेशों को रद्द करते हुए कहा है कि ट्रस्ट नियमों में तय वेतन सीमा, 'कर्मचारियों के वैधानिक अधिकारों' पर हावी नहीं हो सकती।

न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह की एकलपीठ ने यह फैसला सुनील कुमार मेहरोत्रा समेत कई याचिकाओं को एक साथ निस्तारित करते हुए दिया है। न्यायालय ने कहा है कि यदि कर्मचारी और नियोक्ता दोनों ने वास्तविक वेतन पर अंशदान जमा किया है, तो कर्मचारियों को उसी आधार पर उच्च पेंशन का लाभ मिलेगा।

ईपीएफओ सिर्फ ट्रस्ट नियमों में तय 6,500 रुपये की सीमा का हवाला देकर उच्च पेंशन से इन्कार नहीं कर सकता। न्यायालय ने सभी याचिकाएं मंजूर करते हुए ईपीएफओ के आदेश निरस्त कर दिए और क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को निर्देश दिया कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और अदालत की टिप्पणियों के अनुरूप नए सिरे से निर्णय लेकर कर्मचारियों के संयुक्त विकल्प पर विचार करें।

याचियों ने तर्क दिया था कि एचएएल पर कर्मचारी पेंशन योजना-1995 लागू होती है, कर्मचारियों और नियोक्ता ने वास्तविक वेतन पर 8.33 प्रतिशत अंशदान जमा किया, इसलिए उन्हें उच्च पेंशन का अधिकार है। वहीं, ईपीएफओ का तर्क था कि एचएएल ट्रस्ट नियमों में पेंशन योग्य वेतन की सीमा तय है और उसमें संशोधन नहीं हुआ है, इसलिए वास्तविक वेतन पर उच्च पेंशन नहीं दी जा सकती।

अदालत ने कहा कि ट्रस्ट नियमों का कोई भी प्रावधान यदि कर्मचारी हित में बने वैधानिक प्रावधानों और पेंशन योजना-1995 से कम लाभकारी है, तो वह प्रभावी नहीं माना जाएगा।

इस बार हर बूथ पर होगी ऑनलाइन नजर, फर्जी वोटिंग पर पूरी तरह से नकेल कसने की तैयारी

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में होने वाले पंचायत चुनाव को पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी है। इस बार मतदान केंद्रों की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी। विशेष सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप के जरिये कंट्रोल रूम से हर बूथ की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इससे फर्जी मतदान रोकने में मदद मिलेगी।

मतदान के दौरान किस केंद्र पर कितने वोट पड़े, कितनी महिलाओं और पुरुषों ने मतदान किया और पहला वोट कितने बजे पड़ा, जैसी जानकारी तुरंत ऑनलाइन उपलब्ध होगी। राज्य स्तर के कंट्रोल रूम में मतदान प्रतिशत लगातार अपडेट होता रहेगा। इससे मतदान खत्म होते ही प्रदेश भर का आंकड़ा आसानी से मिल सकेगा।

प्रत्येक मतदान कर्मी के मोबाइल फोन में पंचायत चुनाव का विशेष एप रहेगा। इसमें संबंधित बूथ की वोटर लिस्ट अपलोड होगी। मतदाता के पहुंचने पर उसके स्टेट वोटर नंबर (एसवीएन) के अंतिम चार अंक दर्ज करते ही उसका पूरा विवरण और फोटो स्क्रीन पर दिखाई देगी। पहचान सत्यापित होने के बाद वोटिंग का डाटा तुरंत अपडेट कर दिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति दूसरी जगह दोबारा मतदान करने पहुंचेगा तो सिस्टम तुरंत अलर्ट कर देगा। पंचायत चुनाव में यह व्यवस्था सफल होने पर निकाय चुनावों में भी लागू किया जाएगा।

मारपीट के आरोपी को कब्जे में लेने के लिए भीड़ ने पुलिस टीम पर किया हमला, ईंट-पत्थर बरसाए; कई घायल

बलिया, एजेंसी। बलिया जिले में नगपुरा पश्चिम टोला में मंगलवार को मारपीट के मामले में पकड़े गए आरोपी युवक को खुद के हवाले करने की मांग करते हुए महिला और पुरुषों ने पुलिस टीम पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इसमें रसड़ा कोतवाल योगेंद्र बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक अतुल कुमार, कांस्टेबल हिमांशु सोनकर घायल हो गए। पुलिस का वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। इसको लेकर दो घंटे तक गहमागहमी बनी रही। मौके पर सीओ सदर राकेश सिंह, चितबड़ागांव, फेफना, गड़वार व रसड़ा थाने की पुलिस फोर्स मौजूद रही। अधिकारियों के समझाने बुझाने के बाद मामला शांत हुआ।

क्या है पूरा मामला : थाना क्षेत्र के नगपुरा निवासी नीतिश सिंह व धर्मेंद्र राम के बीच किसी बात पर विवाद और मारपीट हुई थी। दोपहर में नीतिश सिंह और धर्मेंद्र राम नागपुर चौकी पर गए थे। वहां चौकी इंचार्ज नागपुर ने समझा बुझाकर धर्मेंद्र को उसके घर छोड़ने के लिए नीतिश सिंह से कहा। नीतिश सिंह जब धर्मेंद्र को उसके घर छोड़ने गए, उस दौरान धर्मेंद्र की बस्ती की महिला-पुरुष जुट गए। इन लोगों ने नीतिश को गाली देते हुए मारने के लिए दौड़ा लिया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस पहुंची और नीतिश को वाहन में बैठाकर ले जाने लगी। इस दौरान सैकड़ों ग्रामीणों ने पीआरवी वाहन को घेर लिया और नीतिश सिंह को उनके हवाले करने की मांग करने लगे।

पीआरवी ने कंट्रोल रूम को सूचना दे दी। आधे घंटे में गांव में चितबड़ागांव, रसड़ा, फेफना व गड़वार पुलिस पहुंची। फोर्स के पहुंचने पर पीआरवी नीतिश को लेकर वहां से निकल गई। इससे आक्रोशित महिला-पुरुषों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें चितबड़ागांव थानाध्यक्ष का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। रसड़ा कोतवाल योगेन्द्र बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक अतुल कुमार, कांस्टेबल हिमांशु सोनकर चोटिल हो गए। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर बितर किया। इसको लेकर दो घंटे तक गहमागहमी बनी रही। क्षेत्राधिकारी राकेश सिंह आक्रोशित ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामला शांत किया। गलत सूचना पर ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पत्थरबाजी की। इसमें तीन पुलिसकर्मियों को चोट आई है। पुलिस का वाहन क्षतिग्रस्त हुआ है। गांव में सुरक्षा के लिए पुलिस फोर्स मुस्तैद है। ग्रामीणों के अनुसार, किसी बात को लेकर तीन-चार दिन से शराब के नशे में धर्मेंद्र राम, नीतिश सिंह के दरवाजे पर जाकर गाली गलौज करता था। मंगलवार की सुबह भी धर्मेंद्र, नीतिश सिंह के परिजनों के लिए अभ्रद भाषा का इस्तेमाल कर रहा था। परिजनों ने नीतिश को फोन कर इसकी जानकारी दी तो वह घर पहुंचे और धर्मेंद्र को लेकर पुलिस चौकी चले गए।

इकलौता बेटा तो किसी का छिन गया भाई, पिता के आंसू और बहन की चीखें

आगरा, एजेंसी। आगरा के बल्केश्वर स्थित पार्वती घाट पर हुए हादसे में सिक्योरिटी गार्ड राकेश के घर का इकलौता चिराग बुझ गया। 5 घंटे बाद यमुना से जैसे ही 13 साल के विक्की का शव गोताखोर बाहर लेकर आए, वैसे ही पिता दहाड़े मारकर रोने लगे। बहनें भाई को उठाने के लिए दौड़ पड़ीं। किनारे पर बैठी मां गोमती अपने लाल को मृत देखकर बेहोश गई। घरवालों का रुदन देखकर हर आंख नम हो गई। पिता का कहना था कि बड़ी मन्नतों के बाद बेटा पैदा हुआ था, पलभर में गोद से छीन लिया।

शोभा नगर निवासी राकेश कुमार एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड हैं। वह मंगलवार को ड्यूटी पर गए थे। उन्हें दोपहर 12 बजे बेटे के डूबने की जानकारी मिली। वह सीधे यमुना के घाट पर आ गए। पुलिसकर्मियों और गोताखोरों ने तीन के शवों को निकाल लिया था, जबकि विक्की को नहीं निकाला जा सका था। इस पर राकेश घाट किनारे पर ही बैठ गए। वह इस इंतजार में थे कि बेटा बाहर आएगा तो पिता कहकर बुलाएगा।

उन्होंने बताया कि चार बेटियां हैं। इनमें दो की शादी हो चुकी है। दो अभी नाबालिग हैं। बेटा विक्की इकलौता था। उसके लिए भगवान से मन्नत मांगी थी। तब जाकर खुशियां घर आई थीं। बेटा हर किसी का लाड़ला था। मंगलवार सुबह विक्की सो रहा था। घर में जन्मदिन के बाद रुके रिश्तेदारों के बच्चों ने स्वीमिंग पुल में नहाने की जिद की। विक्की को भी जबर्दस्ती जगाकर ले गए। उन्हें नहीं पता था कि बेटा आखिरी बार घर से जा रहा है। फिर कभी लौटकर नहीं आएगा। दोपहर में 4 बजे जैसे ही गोताखोरों ने शव मिलने की जानकारी दी, उनका कलेजा ही बैठ गया। बेटे को उठाकर ला रहे पुलिसकर्मियों को देखकर दहाड़े मारकर रोने लगे। साथ में खड़े भाई भूरी सिंह भी बेहाल हो गए। तभी महिलाएं भी आ गईं। विक्की को गोद में उठाने की कोशिश करने लगीं मगर उन्हें पुलिसकर्मियों ने रोक दिया। यमुना के किनारे पर शोभा नगर की तरफ बैठी मां गोमती दौड़ पड़ीं। उन्हें भी परिवार के लोगों ने रोका। वह बेटा-बेटा करते हुए बेहोश हो गईं। परिवार की महिलाओं ने उन्हें किसी तरह संभाला।

विक्की की बहन मोहिनी, पूनम, संध्या और सलोनी भाई की मौत से बेहाल थीं। वह बार-बार भाई-भाई चिल्ला रही थीं। एक ही बात बोल रही थीं कि हमारे भाई को कहां ले गए। उसे लौटा दो। उसे फिर कभी कहीं नहीं जाने देंगे। वह तो अभी छोटा है। रिश्तेदार कह रहे थे कि राकेश के बुढ़ापे की लाठी छिन गई। चार बेटियों के बाद बेटा हुआ था। बेटियों की शादी के बाद बेटा ही आखिरी समय में सहारा बनता, लेकिन उसकी मौत से अब कौन सहारा बनेगा। आगरा। यमुना में बच्चों के डूबने की सूचना मिलते ही बल्केश्वर और शोभानगर दोनों ओर से स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए।

मेरठ में वलीमे की दावत में खूनखराबा, मंडप में घुसकर फायरिंग, दो भाइयों और दो साल के बच्चे को गोली मारी

मेरठ, एजेंसी। वलीमे की दावत में तीन भाइयों समेत सात आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर फायरिंग कर दी। दो भाइयों और दो साल के बच्चे को गोली लगी है। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लोहियानगर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात बुनकर नगर के राजा पीर वाली गली निवासी फैजान का पुराने कमेले के पास स्टार हैरिटेज मंडप में वलीमा चल रहा था। वलीमे में बुनकर नगर निवासी दो भाई इरफान व राजा अपने परिवार के साथ आए हुए थे। दोनों भाइयों की चाय की दुकान है। रात 11 बजे दोनों भाई खाना खा रहे थे।

आरोप है कि लिसाड़ी गेट के अहमद नगर निवासी सुहैल अपने भाई काला व उवैस और चार अज्ञात के साथ पिस्टल लेकर मंडप में घुस गया। यहां आरोपियों ने पुरानी रंजिश में दोनों भाइयों पर पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से इरफान, राजा व राजा का दो वर्षीय बेटा हम्माद घायल हो गया। कार्यक्रम में दशहत फैल गई। लोगों ने इधर-उधर भागकर अपनी जान बचाई। आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद मौके से भाग गए। सूचना पर एसपी सिटी व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि आरोपी सुहैल व उसके भाइयों की राजा व इरफान से रंजिश चली रही है। इसी को लेकर पूर्व में भी दोनों पक्ष के लोग आमने आ चुके हैं। आरोपी पूर्व में भी कई बार घायलों को जान से मारने की धमकी दे चुका था।

मंगलवार को बुनकर नगर निवासी फैजान की मंडप में वलीमे की दावत चल रही थी। वलीमे में शामिल लोग नाच-गाना कर रहे थे व खुशियां मना रहे थे। रात 11 बजे आरोपी सुहैल अपने भाइयों के साथ वलीमे में घुस गया।

सराफा बाजार को बड़ा झटका, रोजाना 54 करोड़ का कारोबार 10 करोड़ पर सिमटा

मेरठ, एजेंसी। पश्चिम एशिया के संकट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 10 मई की एक साल तक सोना न खरीदने की अपील के बाद से ग्राहकों के मन में अनिश्चितता का माहौल है। ग्राहक फिलहाल सोने की खरीदारी टाल रहे हैं। ग्राहकों के मन में चल रहे इस असमंजस ने मेरठ के ऐतिहासिक सराफा बाजार की कमर तोड़ दी है। सोमवार की बंदी के बाद मंगलवार को जब बाजार खुला तो ग्राहकों की भारी कमी देखी गई। बाजार खुलते ही करीब पांच गुना तक घट गया। आलम यह रहा कि जो व्यापार प्रतिदिन औसतन 54 करोड़ रुपये का होता था वह घटकर मात्र 10 करोड़ रुपये रह गया।

बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विजय आनंद अग्रवाल ने बताया कि बाजार में आई इस भारी गिरावट के पीछे खरीदारों के बीच बनी असमंजस की स्थिति को मुख्य कारण माना जा रहा है। बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि सुबह से ही ग्राहकों की संख्या न के बराबर रही। वहीं एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने स्पष्ट किया कि रिटेल से ज्यादा थोक कारोबार प्रभावित हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आगरा तक के व्यापारी संपर्क में तो रहे लेकिन खरीदारी के लिए कदम नहीं बढ़ाए। ग्राहक भी फिलहाल करने से पहले पूछ रहे हैं कि अभी सोना खरीदना सही रहेगा या नहीं।

कीमतों में उछाल- सोना और चांदी दोनों महंगे : बाजार में मंदी के बावजूद वैश्विक परिस्थितियों के कारण कीमतों में तेजी दर्ज की गई। सोमवार को सोने का भाव 1,55,375 रुपये प्रति 10 ग्राम था। मंगलवार को यह बढ़कर 1,57,200 पर पहुंच गया। वहीं सोमवार को चांदी का भाव 2,64,400 किलो था जो उछलकर मंगलवार को 2,76,300 रुपये तक जा पहुंचा।

व्यापारिक संगठनों की प्रतिक्रिया : नील गली सराफ व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार रस्तौगी ने बताया कि निवेश रोका जा सकता है लेकिन इस स्थिति से सीधा कारोबार प्रभावित हो रहा है जो चिंताजनक है।

मंगलवार को बाजार बुरी तरह प्रभावित रहा। भगत ज्वैलर्स के संचालक आश्रय मांगलिक के मुताबिक सोना भारतीय परिवारों की परंपरा है। वर्तमान में लोग पुराने सोने का पुन- उपयोग (रिसाइकिल) भी कर रहे हैं। मेरठ बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन महामंत्री डॉ. संजीव अग्रवाल के मुताबिक छोटे खरीदार सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। लोग अब खरीदारी से पहले फोन पर लंबी पूछताछ कर रहे हैं। गाजियाबाद से एचपी गुप्ता बेटी की शादी के लिए आभूषण लेने आ रहे थे लेकिन अब फोनकर जानकारी ले रहे हैं।

मेरठ का आभूषण उद्योग- एक कुटीर उद्योग : बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विजय आनंद अग्रवाल ने मेरठ के उद्योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यहां का आभूषण निर्माण एक कुटीर उद्योग की तरह है। एक छोटे कमरे में 4-5 कारीगर मिलकर चेन की एक-एक कड़ी जोड़ते हैं। थोक विक्रेता, सप्लायर और दुकानदारों को मिलाकर प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 1.5 लाख लोग इस कारोबार से अपनी रोजी-रोटी चला रहे हैं।

सिंधी अकादमी का बजट हुआ डेढ़ करोड़, समाज में हर्ष

गोरखपुर। सिंधी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी का वार्षिक बजट एक करोड़ से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये किए जाने पर जिले के सिंधी समाज में हर्ष, उत्साह और गौरव का वातावरण है। समाज के लोगों ने इसे सिंधी संस्कृति के सम्मान और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

सिंधी समाज के लोगों ने सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह निर्णय सरकार की उस संवेदनशील सोच का प्रतीक है, जो भारत की विविध भाषाओं, सांस्कृतिक परंपराओं और समाज की अस्मिता को सम्मान देती है। नंदलाल लखमानी ने कहा कि बजट वृद्धि से समाज की सांस्कृतिक गतिविधियों, साहित्यिक कार्यक्रमों और युवा पीढ़ी में अपनी मातृभाषा के प्रति जुड़ाव को नई दिशा मिलेगी। अंजना राजपाल ने कहा कि इससे सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शोध, प्रकाशन, युवा सहभागिता और परंपरागत विरासत के प्रचार-प्रसार को सशक्त आधार मिलेगा।यह निर्णय सिंधी समाज के लिए सम्मान, विश्वास और प्रेरणा का संदेश है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने एसपीजी काफिले को आधा करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी खर्च में कटौती और मितव्ययिता को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाते हुए अपने

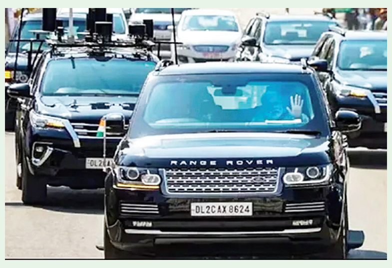

काफिले का आकार आधिकारिक रूप से आधा करने का निर्देश दे दिया है। यह पहल न केवल सरकारी संसाधनों की बचत करेगी बल्कि मंत्रियों और अधिकारियों के लिए भी उदाहरण बनेगी। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा के लिए तैनात विशेष सुरक्षा दल को काफिले में वाहनों की संख्या 50 फीसदी तक कम करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने की इच्छा जताई है, लेकिन नए वाहन खरीदने पर रोक लगा दी है ताकि अतिरिक्त खर्च से बचा जा सके। एसपीजी ने इस निर्देश का पालन शुरू कर दिया है। हाल ही में प्रधानमंत्री की दिल्ली के बाहर की यात्राओं में काफिले का आकार काफी छोटा देखा गया। सुरक्षा एजेंसी यह सुनिश्चित कर रही है कि ब्लू बुक में निर्धारित सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न हो। रविवार को हैदराबाद दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से सीधे अपील की थी कि ईंधन और सोने की खपत कम की जाए। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री द्वारा खुद यह पहल शुरू करना पूरे सरकारी तंत्र के लिए मितव्ययिता अपनाने का स्पष्ट संकेत है।

गार्ड को चप्पल से पीटना पड़ा भारी, दिल्ली की एनिमल एक्टिविस्ट पर एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर इलाके में आवारा कुत्ते की कथित पिटाई और फिर उसकी मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस ने थाने के बाहर सुरक्षा गार्ड को चप्पल से पीटने वाली एनिमल एक्टिविस्ट समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं कुत्ते को लोहे की रॉड से मारने के आरोप में सुरक्षा गार्ड के खिलाफ भी पशु क्रूरता और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 8 मई को रमेश नगर निवासी तरुण घई ने कीर्ति नगर थाने में शिकायत दी थी कि 7 मई की शाम जे-ब्लॉक, कीर्ति नगर में तैनात गार्ड विनोद पासवान ने एक आवारा कुत्ते को लोहे की रॉड से पीटा था। वे गंभीर रूप से घायल कुत्ते को उन्होने पहले निजी पशु चिकित्सक और बाद में नजफगढ़ सरकारी पशु चिकित्सालय ले गए थे, जहां इलाज के दौरान कुत्ते की मौत हो गई थी। इस शिकायत के बाद गार्ड को थाने में बुलाया गया था। कीर्ति नगर थाने के सामने गार्ड विनोद पासवान के साथ चप्पल से मारपीट की थी, जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था।

पीएम मोदी की अपील का असर: कहीं मंत्री ने मेट्रो में की सवारी, तो कहीं काफिला लेकर निकले

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक संकट के बीच ईंधन की बचत को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का जनता से लेकर जनप्रतिनिधियों के बीच मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। सरकारी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले नेताओं व मंत्रियों की जहां लोग इंटरनेट मीडिया पर सराहना कर रहे हैं, वहीं अब भी गाड़ियों के काफिले के साथ चल रहे नेताओं को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को एक तरफ जहां दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद मेट्रो व ई-रिक्शा की सवारी कर सरकारी बैठकों व कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वहीं, दूसरी तरफ केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत लंबे काफिले के साथ सड़कों से गुजरते हुए दिखाई दिए। इसके अलावा केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर जहां बिना काफिले के सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल हुए, जबकि गुरुग्राम के लघु सचिवालय के सामने मंत्री के साथ करीब 10 गाड़ियां चलती नजर आईं।

उत्तर भारत में बारिश-तूफान की चेतावनी तो राजस्थान-एमपी में लू का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों के लिए लू की नई चेतावनी जारी की है, जिसमें आगाह किया गया है कि सामान्य से अधिक तापमान और रात में गर्मी की स्थिति 18 मई तक जारी रहने की संभावना है। भारत में इस समय मौसम में बदला स्वरूप देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में तूफान, ओलावृष्टि और भारी बारिश हो रही है, वहीं दूसरी तरफ देश के मध्य और पश्चिमी हिस्से भीषण लू की चपेट में हैं।

इस बीच, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में 13 से 16 मई के बीच बारिश और तेज हवाएं चलने की उम्मीद है, जिससे बढ़ते तापमान से कुछ समय के लिए राहत मिलेगी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों के लिए व्यापक लू की चेतावनी जारी की है और आने वाले दिनों में भीषण गर्मी की स्थिति रहने का पूर्वानुमान लगाया है। ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर लू चलने की संभावना है और 12 से 18 मई के बीच कुछ अलग-अलग इलाकों में भीषण लू की स्थिति भी बन सकती है। वहीं, पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में 15 मई तक रातें गर्म बनी रह सकती हैं। मौसम विभाग ने आगे चेतावनी दी है कि विदर्भ में 16 मई तक गुजरात और मध्य महाराष्ट्र में 14 मई तक मराठवाड़ा में 15 मई तक और कोंकण तथा गोवा में 12 मई को भीषण गर्मी जारी रह सकती है। आईएमडी के मुताबिक, 12 से 18 मई के बीच मध्य भारत में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2ए सेल्सियस से 4ए सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जबकि पूर्वी भारत में 16 मई तक 2ए सेल्सियस से 3ए सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक चली इस भीषण गर्मी का कारण साफ आसमान, शुष्क मौसम और पश्चिमी भारत के ऊपर मौजूद एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन पैटर्न को बताया है। वहीं, बड़े शहरों में अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव के कारण रात के समय होने वाली बेचैनी और भी बढ़ गई है। पानी पीते रहें, हल्के सूती कपड़े पहनें और दोपहर के सबसे गर्म समय में बाहर की गतिविधियों से दूर रहें। बुजुर्गों, बच्चों और पहले से किसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों से विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। मौसम विभाग ने मछुआरों के लिए भी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्हें सलाह दी गई है कि आने वाले दिनों में तूफानी मौसम की स्थिति के कारण वे बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के तटीय क्षेत्रों के कई हिस्सों में न जाएं।

इन हिस्सों में हीटवेव का अलर्ट

दिल्ली में 30 जून तक बंद रहेगा यह रास्ता, रूट डायवर्जन को लेकर एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों को सतर्क किया है। गाजियाबाद-सराय काले खां मार्ग पर चल रहे मरम्मत एवं सड़क मजबूती के कार्यों के कारण अगले महीने जून तक यातायात प्रभावित रहेगा। अधिकारियों ने वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है ताकि यात्रियों को कम से कम असुविधा हो। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के गाजियाबाद से सराय काले खां कैरिजवे पर मेंटेनेंस और कार्पेटिंग का कार्य कर रहा है। जून 2026 तक चलने वाले इस काम के दौरान इस खंड पर यातायात प्रभावित रहेगा। गाजियाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालकों को ह॥-24 को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। 11 मई 2026 से 17 मई 2026 तक उद्योग नगर रोहतक रोड से मंगलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जाने वाले वाहनों को ऋक्क मंगलपुरी के रास्ते जाने की अनुमति नहीं होगी। इस दौरान ड्रेनेज सिस्टम और अप्रोच रोड की मरम्मत का काम किया जाएगा। वैकल्पिक मार्ग के रूप में यात्रियों को पीरागढ़ी चौक से आउटर रिंग रोड और मंगलपुरी का रास्ता अपनाने की सलाह दी गई है। वापसी में भी आउटर रिंग रोड से पीरागढ़ी चौक और रोहतक रोड का उपयोग करना होगा।

अब चार सप्ताह पहले ही मिल जाएगी वेदर रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को दो नई सेवाएं शुरू कीं। इनमें एक एआई-सक्षम मानसून अग्रिम पूर्वानुमान प्रणाली है, जो 16 राज्यों और 3,000 से अधिक उप-जिलों के किसानों की मदद के लिए मौसमी बारिश की प्रगति और

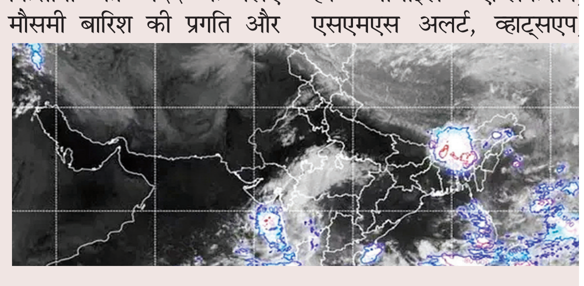

स्थानीय मौसम की जानकारी चार सप्ताह पहले तक उपलब्ध कराएगी। दूसरे प्रोडक्ट को एक पायलट सर्विस के तौर पर शुरू किया गया है, जो उत्तर प्रदेश के लिए हाई-रिजॉल्यूशन वाला स्थानीय बारिश का पूर्वानुमान लगाएगा। यह घने ऑब्जर्वेशनल नेटवर्क और एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके 1 किमी. रिजॉल्यूशन पर 10 दिन पहले तक बारिश का ऑपरेशनल पूर्वानुमान तैयार कर सकता है।

ऑब्जर्वेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर के लगातार विस्तार के साथ ऐसी ही सेवाएं धीरे-धीरे देश के दूसरे हिस्सों तक भी बढ़ाई जाएंगी। यह पायलट सिस्टम एआई-आधारित एडवांस डाउनस्केलिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है और इसमें ऑटोमेटिक बारिश-मापक यंत्रों, ऑटोमेटिक मौसम केंद्रों, डॉप्लर मौसम रडारों तथा सेटेलाइट-बेस्ड बारिश डेटासेट से मिली जानकारी को इकट्ठा किया जाता है। मोबाइल एप्लिकेशन, एसएमएस अलर्ट, व्हाट्सएप, किसान पोर्टल, अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म और टेलीविजन जैसे अलग-अलग माध्यमों के उपयोग के अलावा सब्जियों और अन्य बाजारों में लगाए गए डिस्प्ले के माध्यम से भी स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की जानकारी प्रसारित की जाएगी। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ये उत्पाद पारंपरिक मौसम पूर्वानुमान से हटकर, प्रभाव-आधारित और निर्णय-सहायक पूर्वानुमान की ओर एक बड़ा बदलाव हैं; जो किसानों, प्रशासकों, आपदा प्रबंधकों और नागरिकों को सटीक, स्थान-विशेष और कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करने में सक्षम हैं।

आईपीएल ब्लैक टिकटिंग में नया खुलासा, डीडीसीए के कॉम्प्लीमेंट्री पास बेचने वाला पेट्रोल पंप सुपरवाइजर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल टिकटों और कॉम्प्लीमेंट्री पास की कालाबाजारी मामले में क्राइम ब्रांच ने पंकज यादव नाम के एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। पंकज यादव करीब 12 सालों से अधिक समय से स्टेडियम के पास स्थित पेट्रोल पंप में बतौर सुपरवाइजर तैनात था। पेट्रोल पंप मैनेजर के अवकाश पर रहने के दौरान वह मैनेजर का काम भी देखता था। पुलिस के मुताबिक पंकज यादव की डीडीसीए के पदाधिकारियों से अच्छी जान पहचान है। इसलिए वह डीडीसीए के पदाधिकारियों से कॉम्प्लीमेंट्री पास लेकर उसे टिकट और पास ब्लैक करने वाले गिरोह को बेच देता था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजीव कुमार यादव का कहना है कि पंकज यादव, मूलरूप से बागपत का रहने वाला है।इस मामले में पास व टिकट बेचने के आरोप में पहले तीन सदस्यों के पकड़े जाने के बाद पुलिस से बचने के लिए पंकज ने अपने एक मोबाइल को फार्मेट कर दिया और दूसरे फोन का हैंड सेट बदल लिया। पुलिस उसके फोन का डाटा रिकवर करने व पूछताछ करने के लिए एक सप्ताह का रिमांड लेने की कोशिश कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किन-किन लोगों से पास लेता था। इस मामले में अब तक दलाल व गिरोह के सदस्य ही पकड़े गए हैं। ये लोग पास और टिकट किन-किन पदाधिकारियों से लेते थे मुख्य कड़ी में शामिल उन पदाधिकारियों की अब पहचान करने की कोशिश की जा रही है ताकि उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जा सके। बीते आठ मई को क्राइम ब्रांच ने मुकीम (मुरादाबाद), गुफरान उर्फ साजिद (जामिया नगर) और मोहम्मद फैसल (सीलमपुर) नाम के जिन तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ कर जेल भेज दिया गया। तीनों ने सोमवार को तीस हजारी कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। उन्हें कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया। बुधवार को क्राइम ब्रांच कुछ पदाधिकारियों को पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस भेज सकती है। उन्हें क्राइम ब्रांच के कार्यालय में जांच में शामिल होना पड़ेगा। अप्रैल 2025 में भी आइपीएल मैचों के दौरान स्टेडियम के आसपास` छिटपुट गिरफ्तारियां हुई थीं। पुलिस ने लोगों की शिकायतों पर स्टेडियम के विभिन्न गेटों से चार आरोपित को गिरफ्तार किया था। वे लोग 500 के टिकट को दो से तीन हजार में बेच रहे थे। 2023 में मध्य जिला पुलिस ने पांच लोगों को पकड़ा था।

समाज सुधार के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं हो सकता', सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर संविधान के तहत मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान निर्माताओं ने समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर प्रविधान बनाए थे और नौ जजों की संविधान पीठ भी उस मूल संतुलन को नहीं बदल सकती। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामलों और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर सुनवाई कर रही है।

पीठ में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, आगस्टीन जार्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जोयमाल्या बागची भी शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान केरल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म के मूल तत्वों को समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण पहलू पूजा का अधिकार है और यह पवित्र स्थलों पर संपन्न होता है। यदि इसे बाधित किया जाता है तो श्रद्धालुओं के अधिकारों का उल्लंघन होगा।

इस पर न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा, 'सामाजिक सुधार के नाम पर अनुच्छेद 25(1) के तहत धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता।'' वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसरिया ने दलील दी कि सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक का आधार उनकी मासिक धर्म आयु है और मासिक धर्म को अब भी वर्जना के रूप में देखा जाता है। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि यह नजरिये का सवाल है और महत्वपूर्ण यह है कि श्रद्धालु इसे किस रूप में देखते हैं। सीजेआइ सूर्यकांत ने कहा कि यदि जनता अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से किसी मुद्दे पर सामाजिक सुधार की मांग करती है, तो अदालत उसे स्वीकार कर सकती है। लेकिन यदि लोगों की इच्छा के विरुद्ध कुछ थोपा जाता है तो अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि तर्कवादी लोग धर्म समेत हर चीज को तर्क की कसौटी पर परखते हैं।

मीडिया पर भड़के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ईरान को झूठी उम्मीद देने और मदद करने का आरोप लगाया

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को मीडिया पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ खबरों में ऐसा दिखाया जा रहा है कि ईरान युद्ध में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। ट्रंप ने फिर दावा किया कि ईरानी सेना पूरी तरह तबाह हो चुकी है। ईरान के नेता खत्म हो चुके हैं और देश आर्थिक संकट में है।

ट्रंप ने यह बयान ट्रुथ सोशल के जरिये दिया। उन्होंने मीडिया पर ईरान को 'झूठी उम्मीद' देने और उसकी 'मदद करने' का आरोप लगाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, जब फेक न्यूज में कहा जाता है कि ईरान सैन्य रूप से हमारे खिलाफ अच्छा कर रहा है, तो यह लगभग देशद्रोह जैसा है, क्योंकि यह पूरी तरह झूठ और बेतुकी बात है। वे दुश्मन की मदद कर रहे हैं। इससे ईरान को सिर्फ झूठी उम्मीद मिलती है। जबकि ऐसी कोई उम्मीद होनी ही नहीं चाहिए। ये अमेरिकी कायर हैं, जो अपने ही देश के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने दावा किया, ईरान की नौसेना के पास 159 जहाज थे और अब सभी समुद्र में डूब चुके हैं। उन्होंने कहा, ईरान के पास अब नौसेना नहीं है। उसकी वायुसेना खत्म हो चुकी है। उसकी तकनीक खत्म हो चुकी है। उसके नेता अब नहीं रहे और देश आर्थिक तबाही का सामना कर रहा है। सिर्फ हारने वाले,

एहसान न मानने वाले और मूर्ख लोग ही अमेरिका के खिलाफ बोल सकते हैं। यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अहम मुलाकात होने जा रही है।

इससे पहले चीन रवाना होने से पहले ट्रंप ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने फिर दावा किया कि ईरानी सेना पूरी तरह कमजोर हो चुकी है और अमेरिका यह युद्ध 'शांति से या किसी भी तरीके से' जीत जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से ईरान के मामले में मदद की उम्मीद कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि हमें ईरान के मामले में किसी मदद की जरूरत है। हम किसी भी तरह जीतेंगे। हम इसे शांति से या किसी और तरीके से जीतेंगे। उनकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उनकी वायुसेना खत्म हो चुकी है। उनकी युद्ध की पूरी ताकत खत्म हो चुकी है।

ईरान को लेकर एक और सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, ईरान सैन्य रूप से हार चुका है। उन्होंने कहा, या तो वे सही फैसला करेंगे या हम बाकी काम पूरा कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की नाकेबंदी को '100 फीसदी प्रभावी' भी बताया।

ईरान ने अमेरिका की आलोचना की: वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मंगलवार को अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन के कदमों पर भरोसे की कमी शांति कायम होने में सबसे बड़ी बाधा है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के मुताबिक, अराघची ने यह बात तेहरान में नॉर्वे के उप-विदेश मंत्री के साथ बैठक के दौरान कही।

ट्रंप से टकराव के कारण छिनी मार्टी मकरी की कुर्सी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक संस्था एफडीए के कमिश्नर डॉक्टर मार्टी मकरी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले काफी समय से प्रशासन के भीतर और बाहर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने मकरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कठोर परिश्रमी डॉक्टर बताया। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि ट्रंप उन्हें बर्खास्त करने की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुके थे। अब उनकी जगह काइल डायमांटास कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। डॉक्टर मकरी के इस्तीफे के पीछे सबसे बड़ी वजह ई-सिगरेट नीति को माना जा रहा है। पिछले सप्ताह एफडीए ने पहली बार फ्रूट-फ्लेवर्ड ई-सिगरेट को बाजार में उतारने की मंजूरी दी थी। मकरी इस फैसले के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था कि फलों के स्वाद वाले वेप्स बच्चों और युवाओं को नशे की लत में धकेल देंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इसी वैचारिक मतभेद के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। प्रशासन के अन्य अधिकारी इस मंजूरी के पक्ष में थे, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। मकरी का एक साल का कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उनके नेतृत्व में एफडीए के भीतर भारी अस्थिरता देखी गई। एजेंसी के लगभग सभी वरिष्ठ करियर अधिकारियों ने या तो इस्तीफा दिया या उन्हें हटा दिया गया। हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हस्तक्षेप और राजनीतिक हितों के कारण वैज्ञानिक सिद्धांतों से समझौते के आरोप लगे। ड्रग सेंटर में एक साल के भीतर छह अलग-अलग निदेशक बदले गए। इससे कर्मचारियों का मनोबल गिर गया और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। डॉक्टर मकरी को चौतरफा विरोध का सामना करना पड़ा। फार्मा कंपनियों के सीईओ उनकी नीतियों से असंतुष्ट थे।

पश्चिम एशिया संकट: ईरान ने अमेरिका को दी परमाणु हथियारों की धमकी

दुबई/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से शांति प्रस्ताव पर ईरानी के जवाब को खारिज किए जाने के बाद पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान ने जहां दोबारा हमला करने पर हथियार बनाने के स्तर पर यूरेनियम के संवर्धन की चेतावनी दी है, वहीं बताया जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ फिर से व्यापक सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

ईरान के संसदीय प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने मंगलवार को अमेरिका को खुले तौर पर परमाणु हथियारों की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनके देश पर दोबारा हमला होता है तो तेहरान 90 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम का संवर्धन कर सकता है। इसे हथियार बनाने लायक माना जाता है। संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के प्रवक्ता रेजाई ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, एक और हमले

की स्थिति में ईरान के पास उपलब्ध विकल्पों में 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन हो सकता है। हम संसद में इसकी समीक्षा करेंगे।

उधर, अमेरिकी सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि ईरान के साथ समझौता नहीं हो पाने से ट्रंप प्रशासन में निराशा बढ़ने लगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई को फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। बाधित वार्ता और परमाणु मुद्दे को सुलझाने के लिए तेहरान का रवैया ट्रंप प्रशासन की नाराजगी का प्रमुख कारण है। ट्रंप ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और इस्लामिक गणराज्य के नेतृत्व में व्याप्त विभाजन की आशंका से भी अधीर हो रहे हैं। ईरान की प्रतिक्रिया ने कई अमेरिकी अधिकारियों को यह सवाल उठाने के लिए बाध्य किया है कि क्या तेहरान गंभीरता से बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार है। आगे की कार्रवाई को लेकर ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेद उभर आए हैं। सीएनएन के अनुसार, पेंटागन सहित कुछ अधिकारी ईरान पर दबाव बनाने के लिए लक्षित सैन्य हमलों के माध्यम से अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत कर रहे हैं, जबकि प्रशासन के अन्य अधिकारी राजनयिक प्रयासों को और समय देने पर जोर दे रहे हैं। ईरान के पास लगभग 400 किलोग्राम यूरेनियम है जिसे 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा चुका है। इसे 90 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा सकता है।

ब्रिटेन ने ईरानी संगठनों व व्यक्तियों पर लगाए नए प्रतिबंध

ब्रिटेन ने अपनी धरती पर शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में ईरानी संगठनों और व्यक्तियों को प्रतिबंधित किया है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि सोमवार को घोषित ये नए उपाय वैश्विक सुरक्षा के खिलाफ ईरानी कार्रवाई और विदेशों में धमकियां देने के लिए आपराधिक गिरोहों के इस्तेमाल के जवाब में उठाए गए हैं। जिन संस्थाओं को प्रतिबंध के दायरे में लाया गया उनमें बेरेलियन एक्सचेंज, जीसीएम एक्सचेंज और जिंदाश्ती नेटवर्क शामिल हैं। प्रतिबंध सूची में शामिल व्यक्तियों में मंसूर जारिंगहलम, नासिर जारिंगहलम, एक्रेम अब्दुलकेरीम ओज्टुनक, निहात अब्दुल कादिर असान, रजा हामिदिरावरी और नामिक सालिफोव शामिल हैं। इस्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान देश की रक्षा के लिए इस्राइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आयरन डोम मिसाइलरोधी बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे थे। तेल अवीव सम्मेलन में हकाबी ने कहा, मैं अब्राहम समझौते के पहले सदस्य यूएई की सराहना करना चाहूंगा। इसके लाभों को देखिए। इस्राइल ने उनकी मदद के लिए आयरन डोम बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे हैं। यूएई ने वर्ष 2020 में कूटनीतिक रूप से इस्राइल को मान्यता दी थी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

संपादकीय | सरकार तय करे निचले वर्ग पर न पड़े विपरीत प्रभाव

पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। ऊर्जा संकट और व्यापार में बाधाओं के कारण पैदा हुई चुनौतियों का दायरा बढ़ता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रा (रुपये) के लगातार कमजोर होने से देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। उधर, अमेरिका और ईरान के तल्ख तेवरों से शांति समझौते पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है।

ऐसे में अब मौजूदा संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक उपायों को अमल में लाना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को देश की जनता से पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से उपयोग करने, सोने की खरीदारी से परहेज करने, गैर जरूरी विदेश यात्रा से बचने और स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।

सरकार का मानना है कि इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत दुनिया भर में जारी ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिससे सरकारी कोष को मजबूत बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसमें दोराय नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है, लेकिन देश की जरूरत मुख्य तौर पर अभी भी जीवाश्म ईंधन से पूरी की जा रही है। ऐसे में जरूरी है कि मौजूदा संकट के दौरान आयातित ऊर्जा संसाधनों का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही किया जाए। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से तेल की आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे ऊर्जा का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

खबरों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई बढ़ोतरी से देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, जिस कारण आने वाले दिनों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ सकते हैं। हालांकि, अभी तक सरकार ने पेट्रोल-डीजल और घरेलू रसोई गैस के दामों को नियंत्रित करने के प्रयास किए हैं, लेकिन संकट गहराने से अब यह सब आसान नहीं होगा। इसके लिए वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा, ताकि प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके।

प्रधानमंत्री के आह्वान से इस बात के संकेत भी मिल रहे हैं कि आने वाले समय में रोजमर्रा के इस्तेमाल की जरूरी वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। यानी कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पाद जैसी वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

खबरों के मुताबिक, आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली देश की प्रमुख कंपनियां मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। प्रधानमंत्री के ये सुझाव कि कोरोना काल की तरह घर से काम करने समेत अन्य तरीकों पर फिर से अमल करना, खाद्य तेल की खपत कम करना और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी लाना, यह सब मौजूदा संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

यह सही है कि संकट जब गंभीर हो, तो उससे निपटने के लिए सरकारी उपायों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। मगर इस सब के बीच यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस तरह के उपायों का समाज के निचले और मध्य वर्ग की आजीविका पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

कितना सही है यूपी सरकार का बेहतर कानून व्यवस्था का दावा?

उत्तर प्रदेश सरकार यह दावा करती आई है कि राज्य में कानून व्यवस्था बेहतर है, लेकिन हत्या की वारदात का सिलसिला थम नहीं रहा है। खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। चंदौली जिले में सोमवार को एक निजी अस्पताल में भर्ती महिला की गोली मार कर हत्या कर देने की घटना ने आम नागरिकों की सुरक्षा पर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पता चलता है कि राज्य में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। अपराधी हथियार लेकर सड़कों पर बेखौफ घूम रहे हैं और कभी भी बड़ी वारदात को अंजाम दे देते हैं। सवाल है कि अगर राज्य में कानून व्यवस्था के अनुपालन में वास्तव में सख्ती बरती जाती, तो क्या कोई अस्पताल में घुस कर महिला की हत्या कर सकता था? अपना इलाज करवाने के बहाने अस्पताल में घुसे हमलावर ने महिला पर गोली चलाने के बाद परिसर में हवा में भी गोलियां चलाईं और भागने की कोशिश की। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। उत्तर प्रदेश में हत्या की घटनाएं जिस तरह से बढ़ी हैं, उससे लगता है कि सड़क से लेकर घर और अस्पताल में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। पिछले दिनों संभल जिले में कुछ लोग एक युवक को घर से खींच कर ले गए थे और बाद में सड़क पर उसकी हत्या कर दी गई थी। राज्य में इस तरह की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। सवाल है कि सरकार के दावों के बरक्स आखिर अपराधियों के भीतर कानून का खौफ क्यों नही है? जाहिर है कि इसके पीछे पुलिस की निष्क्रियता और लापरवाही जिम्मेदार है। पुलिस तंत्र में तालमेल और त्वरित कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है। पुलिस के अपराध नियंत्रण के ढांचे में खामियों का फायदा अपराधी उठा रहे हैं। इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि सरकारी हो या निजी अस्पताल, वहां सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए जाने चाहिए। अगर कोई अपराधी हथियार लेकर अस्पताल के अंदर दाखिल होता है, तो यह वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों की लापरवाही को उजागर करता है। ऐसे में राज्य सरकार को अपराध पर नियंत्रण के लिए सही मायने में ठोस कदम उठाने होंगे।

आज का कार्टून

कॉरपोरेट सेक्टर की बढ़ती ताकत...

> भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13-14 फीसद है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। खराब परिवहन प्रणाली, अपर्याप्त भंडारण और बिजली की कमी, ये सभी उत्पादन लागत को बढ़ाते हैं। जटिल नियामक ढांचा और नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और नियमों में बार-बार बदलाव निवेश को हतोत्साहित करते हैं। अनुसंधान और विकास में कम निवेश के कारण भारतीय उद्योग नवाचार और उद्यमिता के मामले में पीछे हैं। सख्त श्रम कानूनों के कारण भी निजी क्षेत्र को कार्य बल प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। विपणन और तकनीक की पुरानी कार्यप्रणालियों के उपयोग, विशेष रूप से लघु उद्योगों में प्रतिस्पर्धा को कम करता है। जीडीपी के मुकाबले निजी ऋण का उच्च अनुपात भी आर्थिक चिंता का विषय है। भारत के निगमित क्षेत्र को विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, नौकरशाही और वित्तीय मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है।

अजय जोशी

देश की अर्थव्यवस्था में निगमित क्षेत्र का महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह क्षेत्र अब तेजी से वृद्धि और बदलाव के दौर में है। वर्तमान में यह संरचनात्मक परिवर्तनों, तकनीकी एकीकरण और स्थिरता की दिशा में विकास के चरण से गुजर रहा है। इस क्षेत्र में विनिर्माण क्षेत्र सर्वाधिक अहम है। पिछले कुछ वर्षों से इसकी गति धीमी चल रही थी। मगर अब इसके पुनरुद्धार की दिशा में किए गए प्रयासों से विनिर्माण क्षेत्र में तेज वृद्धि देखी जा रही है। नवंबर 2025 तक विनिर्माण क्षेत्र में 8.0 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है।

सरकार की ओर से समय-समय पर जारी आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में इसमें 7.72 फीसद और दूसरी तिमाही में 9.13 फीसद वृद्धि दर्ज की गई है। सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लगभग 17 फीसद रहा है। ताजा संशोधित आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण की वृद्धि दर वर्ष 2025-26 में 11.5 फीसद रहने का अनुमान है। भारत का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 17 फीसद से बढ़ा कर 25 फीसद करना है।

निगमित क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन का दौर भी तेजी से चल रहा है। बैंकिंग, खुदरा व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवा और सामग्री प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआइ) को तेजी से अपनाया जा रहा है। निगमित क्षेत्र में ब्राडबैंड और इंटरनेट उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं। नवंबर 2025 तक ब्राडबैंड ग्राहकों की संख्या एक सौ करोड़ के पार चली गई, जो एक दशक पहले के 13.15 करोड़ से सात गुना अधिक है। देश के 99.9 फीसद जिलों में 5जी की सुविधा है और 5.18 लाख से अधिक बेस स्टेशन कार्यरत हैं। वहीं यूपीआइ लेन-देन भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल देश है। देश में डेटा की लागत वर्ष 2014 के 269 रुपए प्रति गीगाबाइट से घट कर वर्ष 2025-26 में 8-10 रुपए प्रति गीगाबाइट रह गई है। डेटा सुरक्षा के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम- 2025 में लागू हुए, जिसमें बच्चों के डेटा और गोपनीयता के संबंध में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

अब कारपोरेट क्षेत्र में केवल मुनाफे के बजाय पर्यावरणीय और सामाजिक शासन के मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इससे हरित ऊर्जा और सतत विकास के क्रियाकलापों में निवेश बढ़ा है। निगमित संस्थाओं में पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारियां बढ़ाई गई हैं। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए बने सीएसआर कोष से इसके लिए व्यय लगातार बढ़ रहा है। कंपनियां पर्यावरणीय पहलों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण आदि पर अधिक खर्च कर रही हैं।

सीएसआर के तहत प्रमुख कार्यों में भुखमरी, गरीबी और कुपोषण को दूर करना, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रमुखता से प्रयास किए गए हैं। अब कंपनियां केवल परियोजना-आधारित व्यय के बजाय,

स्थायी विकास के लक्ष्यों को अपनी मूल व्यावसायिक रणनीतियों में शामिल कर रही हैं। कंपनियां पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को अपना रही हैं, ताकि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके। कई संस्थाएं 18 राज्यों में 2,250 गांवों और कस्बों में पांच लाख से अधिक परिवारों को जोड़ते हुए अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों के माध्यम से सतत विकास में योगदान दे रही हैं। इनका प्रमुख जोर पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने पर है।

भारतीय निगमित जगत ने वित्तीय मजबूती के लिए ऋण में भारी कटौती की है, जो वर्ष 2010 के दशक के 67 फीसद से घट कर 2024 में 48 फीसद पर आ गया है। इससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। एनएसओ द्वारा वार्षिक निगमित सेवा क्षेत्र उद्यम सर्वेक्षण की शुरुआत के साथ, निगमित प्रशासन और डेटा पारदर्शिता में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा और रेलवे जैसे क्षेत्रों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सीमा को उदार बना कर सौ फीसद तक की अनुमति दे दी गई है। जुलाई 2025 तक विनिर्माण विकास में 5.4 फीसद की वृद्धि देखी गई। 2025 में अप्रैल-अगस्त के दौरान उत्पाद निर्यात 2.52 फीसद से बढ़ कर 184.13 बिलियन अमेरिकी डालर हो गया। देश में आटोमोबाइल उत्पादन 1991-92 के बीस लाख से बढ़ कर 2023-24 में दो करोड़ 80 लाख इकाइयां हो गई हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में कोयला उत्पादन 7.12 फीसद से बढ़ कर 370 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत नई इकाइयों को मंजूरी देकर वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इन नवीन पहलुओं के परिणामस्वरूप, भारतीय निगमित क्षेत्र न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रहा है, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। इन सभी के बीच देश के निगमित क्षेत्र में इस समय कई तरह की आर्थिक, ढांचागत और नियामक चुनौतियां हैं। इससे विकास और उत्पादकता प्रभावित होती है। विशेष रूप से लघु और मध्य आकार की कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने, नई तकनीक अपनाने या उत्पाद श्रृंखला में विविधता लाने के लिए आवश्यक पूंजी की कमी से जूझ रही हैं।

भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13-14 फीसद है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। खराब परिवहन प्रणाली, अपर्याप्त भंडारण और बिजली की कमी, ये सभी उत्पादन लागत को बढ़ाते हैं। जटिल नियामक ढांचा और नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और नियमों में बार-बार बदलाव निवेश को हतोत्साहित करते हैं। अनुसंधान और विकास में कम निवेश के कारण भारतीय उद्योग नवाचार और उद्यमिता के मामले में पीछे हैं। सख्त श्रम कानूनों के कारण भी निजी क्षेत्र को कार्य बल प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। विपणन और तकनीक की पुरानी कार्यप्रणालियों के उपयोग, विशेष रूप से लघु उद्योगों में प्रतिस्पर्धा को कम करता है। जीडीपी के मुकाबले निजी ऋण का उच्च अनुपात भी आर्थिक चिंता का विषय है। भारत के निगमित क्षेत्र को विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, नौकरशाही और वित्तीय मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है।

निगमित क्षेत्र के इन आयामों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दृष्टि से पुराने श्रम कानून और व्यवसाय शुरू करने तथा उनको चलाने में अत्यधिक दस्तावेजीकरण निवेश को हतोत्साहित करते हैं। एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली को मजबूत करना तथा श्रम कानूनों का और सरलीकरण करना जरूरी है। खराब परिवहन से उत्पादन और वितरण लागत बढ़ जाती है। गति शक्ति पहल के तहत बहु-परिवहन प्रणालियों और समर्पित माल गलियारों में निवेश तेज करना तथा सामग्री प्रबंधन लागत को कम करने के प्रयास जरूरी है।

सोना खरीदने से क्यों मना कर रहे हैं मोदी?

> पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका ईरान तनाव का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही तेजी, रुपये पर बढ़ता दबाव और विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर गहराती चिंता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से बचत करने की अपील की है। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचने, विदेश यात्राएं टालने और जहां संभव हो वहां घर से काम करने जैसे उपाय अपनाने का आग्रह किया।

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है और होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति को लेकर गंभीर संकट पैदा हो गया है। हम आपको बता दें कि यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में गिना जाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को ठुकराए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें एक सौ पांच डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं, जिससे पूरी दुनिया में महंगाई और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। रुपये में कमजोरी आई है और आयात बिल लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान देश ने घर से काम, वर्चुअल बैठकों और वीडियो संवाद जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। अब समय आ गया है कि इन तरीकों को फिर से व्यापक रूप से अपनाया जाए ताकि ईंधन की खपत कम हो और विदेशी मुद्रा की बचत हो सके।उन्होंने लोगों से मेट्रो रेल का अधिक उपयोग करने, कार पूल

जैसी शेयरिंग व्यवस्था अपनाने और बिजली से चलने वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही माल परिवहन को सड़कों की बजाय रेलमार्ग की ओर ले जाने की बात भी कही ताकि डीजल पर निर्भरता घटाई जा सके। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया संकट के बाद भारत का ईंधन आयात खर्च तेजी से बढ़ा है और यदि होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा लंबे समय तक बनी रही तो तेल की ऊंची कीमतें कई महीनों तक बनी रह सकती हैं।प्रधानमंत्री की सबसे अधिक चर्चा में रही अपील सोने की खरीद को लेकर थी। उन्होंने कहा कि देशहित में नागरिकों को कम से कम एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचना चाहिए। हम आपको बता दें कि भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना आयातकों में शामिल है और विवाह तथा त्योहारों के मौसम में इसकी मांग बहुत बढ़ जाती है। चूंकि सोना मुख्य रूप से विदेशों से आयात किया जाता है, इसलिए इसकी अधिक खरीद से डॉलर बाहर भेजना पड़ता है और भारत के घरेलू विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार भारत के लिए कच्चे तेल और सोने में एक समानता है। दोनों का बड़ा हिस्सा विदेशों से खरीदा जाता है और भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया जाता है। जब तेल महंगा होता है और साथ ही सोने की मांग भी बढ़ जाती है, तब देश को आयात के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे चालू खाते का घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव आता है। यही कारण है कि आर्थिक संकट के समय सरकारें अक्सर सोने के आयात को नियंत्रित करने के उपाय करती रही हैं। अतीत में भी आयात शुल्क बढ़ाने, आयात पर रोक लगाने और वैकल्पिक योजनाओं को बढ़ावा देने जैसे कदम उठाए जा चुके हैं।प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक विदेश यात्राएं, विदेशी पर्यटन और विदेशों में आयोजित होने वाले विवाह समारोह भी एक वर्ष तक टालने का आग्रह किया। उनका कहना था कि मध्यम वर्ग में विदेश घूमने और विदेश में विवाह करने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन मौजूदा वैश्विक संकट के समय विदेशी मुद्रा बचाना राष्ट्रीय आवश्यकता बन गया है।

इस बीच, अमेरिका ईरान युद्ध का असर वैश्विक सोना बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। आम तौर पर युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के समय निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मानते हैं, जिससे इसकी कीमतें बढ़ती हैं। लेकिन इस बार स्थिति जटिल है क्योंकि तेल की कीमतों में उछाल से महंगाई और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की आशंका बढ़ गई है। ऊंची ब्याज दरों के कारण निवेशक सोने की बजाय ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसी कारण युद्ध की अनिश्चितता के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री ने केवल ईंधन और सोने तक ही अपनी अपील सीमित नहीं रखी। उन्होंने खाद्य तेल की खपत घटाने, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की भी बात कही। उनका कहना था कि किसी भी तरह विदेशी मुद्रा की बचत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और देश को आत्मनिर्भर बनाने में हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

हालांकि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की इस अपील पर सवाल भी उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है और अब आम लोगों पर बोझ डाल रही है। दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री की अपील को दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि इससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन सकेगा। उधर, विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री का संदेश केवल सोना या ईंधन बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश को संभावित वैश्विक आर्थिक संकट के लिए तैयार करने का संकेत भी है। यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहीं और सोने का आयात भी बढ़ता रहा, तो महंगाई, आयात बिल और रुपये पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार नागरिकों से संयम, बचत और स्वदेशी सोच अपनाने की अपील कर रही है ताकि वैश्विक संकट के बीच भारत की आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

विनेश फोगाट की वापसी पर सियासत तेज

● बृजभूषण सिंह बोले- रायता फैलाकर गई हैं देवीजी, कांग्रेस सांसद ने कहा- न्याय मांगने की कीमत चुका रहीं, साक्षी मलिक ने लगाई गुहार

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती में विनेश फोगाट की वापसी को लेकर विवाद अब खेल से निकलकर राजनीतिक और सामाजिक बहस का विषय बन गया है। ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान साक्षी मलिक ने जहां मां बनने के बाद खिलाड़ियों को दुनिया भर में मिलने वाली राहत का हवाला देते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ से विनेश फोगाट को ट्रायल का मौका देने की अपील की है। वहीं, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने दावा किया कि WFI कभी बिना वजह किसी खिलाड़ी को नहीं रोकता। अगर रोक लगाया गया है तो उसके पीछे कोई कारण जरूर होगा। रोहतक से सांसद और कांग्रेस नेता दीपेंदर सिंह हुड्डा ने इसे 'साजिश, बदला और अन्याय' करार दिया। उन्होंने कहा कि बेटियों के लिए न्याय मांगने की कीमत विनेश फोगाट आज भी चुका रही हैं। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने विनेश फोगाट को राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी है।

विनेश के समर्थन में आईं साक्षी मलिक

इस पूरे विवाद के बीच साक्षी मलिक खुलकर विनेश के समर्थन में सामने आईं। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन में दोनों पहलवान एक साथ नजर आई थीं। बाद में विनेश फोगाट के राजनीति में आने और कांग्रेस से जुड़ने के बाद दोनों के रास्ते अलग माने जाने लगे थे। अब साक्षी मलिक ने मंगलवार 12 मई 2026 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। साक्षी मलिक ने कहा कि दुनिया भर में मां बनने के बाद महिलाओं को वापसी के लिए नियमों में ढील दी जा रही है, दूसरी ओर विनेश की राह रोकने की कोशिश हो रही है। साक्षी ने ङ्क पर पोस्ट वीडियो में कहा, ''मुझसे इस मुद्दे पर राय मांगी गई थी और मैं पिछले दो-तीन दिनों से सोच रही थी, क्योंकि विनेश एक राजनीतिक दल की विधायक हैं और मेरा किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है, लेकिन मैं आपको ऐसे कई उदाहरण दे सकती हूं।

भुवी झटक चुके हैं 21 विकेट

...लेकिन भारतीय टीम में वापसी के बारे में नहीं सोच रहे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बड़े-बड़े गेंदबाज संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन भुवनेश्वर कुमार का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 11 मैच में 21 विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा जमाए रखा है। ऐसे में रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज खिलाड़ी ने भुवनेश्वर की भारतीय टीम में वापसी की मांग कर दी है। हालांकि, भुवनेश्वर कुमार ने कहा है कि वह भारतीय टीम में वापसी के बारे में नहीं सोच रहे हैं। भुवनेश्वर कुमार ने आरसीबी के सोशल मीडिया हैंडल पर कहा, 'मैं भारतीय टीम में वापसी के बारे में नहीं सोच रहा हूं। कई साल हो गए हैं जब मैंने लंबे समय के लक्ष्य रखना या बनाना बंद कर दिया है। जब भी मैंने ऐसा किया है तो यह मेरे लिए कभी काम नहीं आया। मैं खुश हूं कि 200 मैच खेले और पावरप्ले और डे ओवर इतने सारे विकेट लिए। मुझे लगता है कि यह सब उन कामों का इनाम है जो मैंने इतने सालों में किए हैं। अच्छे साल भी रहे हैं और बुरे साल भी। सच कहूं तो इस समय मुझे कुछ खास महसूस नहीं हो रहा है। बेशक, अगर मैं कहूं कि बाद में मुझे ऐसा महसूस नहीं होगा तो मैं झूठ बोलूंगा। मुझे लगता है कि ये यादें बाद में काम आएंगी, लेकिन इस समय मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत सामन्य है।'

आईपीएल के बाद मुझे काफी लंबा ब्रेक मिलता है

भुवनेश्वर कुमार ने कहा, 'मुझे पता है कि 2026 अच्छा जा रहा है। मुझे विकेट मिल रहे हैं, लेकिन मैं वही सब कर रहा हूं जो मैं पहले भी कर रहा था। बेशक मैं कह सकता हूं कि ट्रेनिंग थोड़ी ज्यादा हो गई है या शायद कुछ चीजें बेहतर हुई हैं क्योंकि मैं देश के लिए नहीं खेल रहा हूं। सबसे अच्छी बातों में से एक यह है कि आईपीएल के बाद मुझे काफी लंबा ब्रेक मिलता है।

विराट आलोचना नहीं झेल पाते

● पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने टॉस के दौरान का बताया वाकया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना ??है कि विराट कोहली आलोचना नहीं झेल पाते हैं। उनका दावा है कि कोहली अपने बारे में कही गई हर बात को पढ़ते और सुनते हैं। मांजरेकर ने उन घटनाओं के बारे में बताया जब टॉस के समय कोहली ने आलोचना के बाद उन्हें 'ठंडा' जवाब दिया था। मांजरेकर ने कहा कि कोहली कहते हैं कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि लोग उनके बारे में क्या कहते हैं या क्या सोचते हैं, लेकिन भारत के पूर्व कप्तान मैदान पर अपने प्रदर्शन के जरिए आलोचना या नकरात्मकता का जवाब देना चाहते हैं। मांजरेकर ने स्पोर्टस्टार के इनसाइट एज पॉडकास्ट पर कहा,'कोहली ऐसे इंसान हैं जो आलोचना नहीं झेल पाते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें पता चल जाता है कि उनके बारे में क्या कहा जा रहा है क्योंकि मेरा उनके साथ एक कप्तान और एक खिलाड़ी के तौर पर अनुभव रहा है। अचानक एक दिन मैंने उन्हें टॉस के समय या कहीं और बहुत ठंडा पाया और मुझे लगा शायद उन्होंने अपने बारे में कही गई कोई बात सुन ली है।'

आलोचना से बड़ा शतक जड़ने के लिए प्रेरणा

मांजरेकर ने कहा, 'वह उन लोगों में से एक है जो कहते रहे हैं कि हमें इस बात की परवाह नहीं है कि लोग क्या कहते हैं और क्यों कहते हैं, लेकिन वह बहुत भावुक भी हैं। शायद यह एक अच्छी बात भी है क्योंकि अगर वह इस तरह की आलोचना या कुछ नकारात्मक सुनते हैं तो इससे उन्हें बड़ा शतक जड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है।' मांजरेकर ने मैदान पर कोहली की ऊर्जा की तारीफ की और कहा कि इससे टीम का हौसला बढ़ाने में मदद मिलती है। विराट कोहली की कप्तानी में हर खिलाड़ी को विराट कोहली जैसा बनना था मांजरेकर ने कहा, 'कप्तान के तौर पर उनके बारे में अच्छी बात यह थी कि जब चीजें खराब चल रही थीं जब उन्हें पता था कि पिच या गेंदबजी के साधनों को देखते हुए वे विकेट नहीं ले पाएंगे तब भी वे यह पक्का करते थे कि टीम जोश में रहे। मैदान पर ऊर्जा बनी रहे। उन्होंने उन्हें यकीन दिलाया कि चीजें होंगी। मुझे लगता है कि यही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी। मेरा हमेशा से मानना ??रहा है कि टीम कप्तान जैसा होता है वैसी ही होती है। विराट कोहली की कप्तानी में हर खिलाड़ी को विराट कोहली जैसा बनना था। अगर कोई मैदान पर जाकर थोड़ा भी ढीला दिखता तो वह अगला टेस्ट मैच नहीं खेल पाता। इसलिए सभी ने विराट के आक्रमकता को अपनाया।'

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराया

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची GT

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मंगलवार 12 मई 2026 को गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच खेला गया। आईपीएल 2026 के 56वें मैच में गुजरात टाइटंस ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हरा दिया। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस की यह लगातार पांचवीं जीत है। गुजरात टाइटंस अब आईपीएल 2026 की अंक तालिका में पहले स्थान पर है, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद तीसरे स्थान पर बनी हुई है। लगातार पांचवीं जीत के बाद गुजरात टाइटंस के अब 12 मैच में 16 अंक हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के 12 मैच में 14 अंक हैं। गत चैंपियन आरसीबी के 11 मैच में 14 अंक हैं।

● **सनराइजर्स हैदराबाद 86 रन पर ढेर हो गई-** सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने मंगलवार रात अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेले गए मैच में टॉस जीता और फील्डिंग चुनी। साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों की मदद से शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद 14.5 ओवर में 86 रन पर ढेर हो गई।

● **SRH ने 60 रन पर गंवा दिये थे सात विकेट-** एक समय सनराइजर्स हैदराबाद ने महज 60 रन पर ही 7 विकेट गंवा दिये थे। कगिसो रबाडा प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये। कगिसो रबाडा ने सनराइजर्स हैदराबाद के शीर्ष क्रम की बखिया उधेड़ते हुए 4 ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि जेसन होल्डर ने 4 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट चटकाये।

फुटबॉल प्रीमियर लीग

टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

लंदन। फुटबॉल प्रीमियर लीग में टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इस ड्रॉ के साथ ही टॉटेनहम 38 अंकों के साथ 17वें नंबर पर आ गया है। वहीं, लीड्स यूनाइटेड 14वें स्थान पर है। प्रीमियर लीग की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांसीसी फुटबॉलर मैथिस टेल पहले मुकाबले में हीरो बने, लेकिन उन्होंने अपनी गलती से टीम के लिए परेशानी भी खड़ी कर दी। टेल ने मैच के 50वें मिनट में पहला गोल दागा और

टॉटेनहम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने अपने ही बॉक्स में गेंद को खतरनाक तरीके से क्लियर करने का प्रयास किया और इसी कोशिश में उनका पैर एथन अमपाडू को लग गया। वीएआर जांच के बाद लीड्स यूनाइटेड को पेनल्टी मिल गई, जिसका पूरा फायदा इंग्लिश फुटबॉलर कैल्वर्ट लेविन ने उठाया। लेविन ने मैच के 74वें मिनट में हाथ आए मौके को भुनाया और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। टॉटेनहम हॉटस्पर ने इसके बाद मुकाबले में वापसी करने का काफी प्रयास किया, लेकिन लीड्स यूनाइटेड की टीम ज्यादा हावी नजर आई। मैच के अंतिम पलों में गोलकीपर किंस्की ने सीन लॉन्गस्टाफ के जबरदस्त शॉट का बेहतरीन बचाव करते हुए टीम की हार को टाला।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट मैच में चटाई धूल

WTC की अंकतालिका में फेरबदल, भारत के लिए बढ़ गया खतरा

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला जीत लिया है। मंगलवार को ढाका के शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में पहले टेस्ट के आखिरी दिन बांग्लादेशी टीम ने बेहतरीन जीत दर्ज की। नाहिद राणा ने पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को चारों खाने चित कर दिया। इस मैच के बाद ङ्खञ्जष्ट (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) 2025-27 की अंकतालिका में भी कुछ बदलाव हुए। भारतीय टीम की पोजिशन फिलहाल नहीं बदली लेकिन आगे भारत के लिए खतरा बढ़ गया है।

इस मैच में पहले खेलते हुए बांग्लादेश की टीम ने कप्तान नजमुल हुसैन शंतो के शतक की बदौलत 413 रन बनाए। जवाब में अजान अवैस के शतक की बदौलत पाकिस्तान की टीम 386 रन पर सिमट गई। 27 रन की लीड मिलने के बाद बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 240 रन बनाकर पारी घोषित की और पाकिस्तान को 268 रन का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान की टीम इस लक्ष्य के सामने 163 रन पर ढेर हो गई। बांग्लादेश ने पहली बार अपने घर पर पाकिस्तान को टेस्ट मैच हराया है। बांग्लादेश के लिए कप्तान नजमुल हसन शंतो को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जबकि गेंदबाजी में मेहदी हसन मिराज और नाहिद राणा टीम के हीरो रहे। दोनों ने मैच में 6-6 विकेट झटके। अब पाकिस्तानी टीम सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई है।

भारत के लिए क्यों बढ़ा खतरा

पाकिस्तान का यह इस सत्र में तीसरा मुकाबला था और अक्टूबर 2025 से मई 2026 तक यह उसकी लगातार दूसरी हार है। जबकि बांग्लादेश ने भी अपना तीसरा मैच खेला और एक ड्रॉ व एक हार के बाद पहली जीत दर्ज की। अब सीरीज का दूसरा मुकाबला 16 मई से सिल्हट में खेला जाएगा।

आईपीएल के बाद अब होगा ईटीपीएल

राहुल द्रविड़ बने टीम के मालिक और अश्विन को मिली कप्तानी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को इससे पहले कोच, मेंटोर समेत अलग-अलग जिम्मेदारियों में देखा गया है। अब वह एक नई टी20 लीग में बतौर टीम के मालिक नजर आएंगे। उन्हें कोच के तौर पर अलग-अलग तरह के मालिकों के साथ काम करने का अनुभव रहा है, जिनमें से कुछ मालिक बेहद जुनूनी रहे, जबकि कुछ दूर रहकर केवल निगरानी करने पर ध्यान देते हैं। द्रविड़ अब यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) की टीम डबलिन गार्डियंस के मालिक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। उन्होंने पीटीआई से बात करते हुए यह साफ कर दिया है कि वह ETPL की इस टीम के मालिक के तौर पर क्रिकेट संचालन में दखल नहीं देंगे और कप्तान रविचंद्रन अश्विन को फैसले लेने की पूरी छूट देंगे। जब उनसे पूछा गया कि वह किस तरह के मालिक बनना चाहेंगे, तो द्रविड़ हंस पड़े। उन्होंने कहा, 'यह तो समय आने पर ही पता चलेगा। यह मेरे लिए पहला अनुभव होगा, इसलिए मैं खुद भी देखना चाहता हूं कि मैं इस भूमिका में कैसा रहूंगा।'

कप्तान के कार्य में नहीं देंगे दखल

करीब 30 वर्षों तक शीर्ष स्तर के क्रिकेट से जुड़े रहने के बावजूद द्रविड़ मानते हैं कि नई जिम्मेदारी में उन्हें टीम से कुछ दूरी बनाकर रखनी होगी। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मेरी योजना क्रिकेट से जुड़े रोजमर्रा के मामलों से थोड़ी दूरी बनाकर रहने की है। मेरा मकसद ऐसी मजबूत टीम तैयार करना होगा, जो अपने स्तर पर काम कर सके। आप मुझे डगआउट में लगातार नहीं देखेंगे। मैं हर अभ्यास सत्र या हर मैच में मौजूद रहने वाला व्यक्ति भी नहीं हूं।' राहुल द्रविड़ ने साफ किया कि वह टीम मालिक के तौर पर सीमित लेकिन सहयोगी भूमिका निभाना चाहते हैं।

गुजरात टाइटंस शीर्ष पर

● क्लासेन ने साई से छीनी ऑरेंज कैप, भुवी का दबदबा बरकरार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 51वें मैच में मंगलवार (12 मई) को गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रनों से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दूसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद तीसरे नंबर पर है। दोनों के 14-14 अंक हैं। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे नंबर पर है। चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के 12-12 अंक हैं।

ऑरेंज कैप रेस की बात करें तो सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने इस पर फिर से कब्जा जमा लिया। इससे पहले गुजरात टाइटंस की पारी में साई सुदर्शन ने इस पर कब्जा जमा लिया था। दोनों के 500 रन पूरे हो गए हैं। पर्पल कैप रेस में भुवनेश्वर कुमार का दबदबा बरकरार है। उन्होंने 21 विकेट झटके हैं। कगिसो रबाडा ने उनकी बराबरी कर ली है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670